·हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 261 बेमेतरा, सोमवार 18 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

नई दिल्ली। बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल के बढ़े दामों के खिलाफ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने अपने सभी 250 ब्लॉक कांग्रेस कमेटी स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव करोल बाग में आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए. यहां प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैलगाड़ी पर चढ़कर प्रदर्शन किया. दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में पेट्रोल पंप और मदर डेयरी बूथ के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया. इसी बीच झंडेवालान मेट्रो स्टेशन के पास 108 फीट ऊंची हनुमान मूर्ति के नजदीक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव बैलगाड़ी पर बैठकर प्रदर्शन करने पहुंचे. इस दौरान हाथों में तख्तियां, केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी और बैलगाड़ी पर सवार होकर पहुंचे. दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि जो सरकार महंगाई के खिलाफ चुनाव जीतकर आई थी उसके शासन में आज महंगाई के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं.

सीबीआई ने महिला प्रोफेसर को किया गिरफ्तार

नईदिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की लगातार गिरफ्तारियां जारी हैं। अब एजेंसी ने महाराष्ट्र के पुणे की रहने वाली जीव विज्ञान की महिला प्रोफेसर मनीषा गुरुनाथ मंधारे को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने उक्त महिला को पेपर लीक गिरोह का दूसरा सरगना बताया है। सीबीआई ने बताया कि मंधारे को दिल्ली से पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। नीट पेपर लीक मामले में ये सीबीआई की 9वीं गिरफ्तारी है। सूत्रों ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि मंधारे ने छात्रों से लाखों रुपये लेकर विशेष कक्षाएं संचालित कीं। इस दौरान लीक हुए प्रश्न, उनके विकल्प और उत्तर छात्रों को बोलकर लिखवाए गए। सीबीआई की जांच में खुलासा हुआ है कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) से प्रश्न पत्रों के 2 सेट- एक हाथ से लिखा हुआ और एक टाइप किया हुआ - लीक हुए थे। इसके पीछे कल गिरफ्तार किए गए प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी और मंधारे का हाथ था।

ओडिशा की भक्त ने शिरडी के साईं बाबा को 10 लाख रुपये का सोने का ब्रोच चढ़ाया

शिरडी। दुनिया भर से भक्त अपनी आस्था और भक्ति के लिए लाखों लोग प्रतिवर्ष साईं बाबा के मंदिर में आते हैं. हाल ही में, ओडिशा के भुवनेश्वर की एक महिला भक्त ने साईं बाबा के चरणों में 10 लाख रुपये कीमत का एक बेहद आकर्षक और नक्काशीदार सोने का ब्रोच चढ़ाया है. ओडिशा के भुवनेश्वर की रहने वाली साईं भक्त संजुक्ता स्वेन अपने परिवार के साथ पिछले 17 सालों से साईं बाबा के दर्शन के लिए नियमित शिरडी आ रही हैं. वे साल में कम से कम दो बार बाबा की दरगाह पर जरूर जाते हैं. उन्होंने कहा, साईं बाबा ने हमें सब कुछ दिया है.

स्वीडन पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी-लड़ाकू विमानों ने किया एस्कॉर्ट

व्यापार,एआई और रक्षा सहयोग पर होगी बड़ी चर्चा-पीएम

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को स्वीडन के गोथेनबर्ग पहुंचे। इस दौरान उनके विमान को स्वीडन के अत्याधुनिक ग्रिपेन फाइटर जेट्स ने एस्कॉर्ट किया, जिसे दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा और रणनीतिक सहयोग के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नीदरलैंड में प्रधानमंत्री रॉब येतन ने पीएम मोदी को विदा किया, जबकि स्वीडन पहुंचने पर प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।पीएम नरेन्द्र मोदी का विमान जैसे ही स्वीडन के एयरस्पेस में प्रवेश किया, स्वीडिश वायुसेना के ग्रिपेन लड़ाकू विमानों ने उसे सुरक्षा और औपचारिक एस्कॉर्ट प्रदान किया। इससे पहले यूएई यात्रा के दौरान भी इसी तरह की सुरक्षा व्यवस्था देखी गई थी, जहां एफ-16 जेट्स ने भारतीय प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया था। प्रधानमंत्री मोदी रविवार और सोमवार को स्वीडन में रहेंगे। यह यात्रा स्वीडिश प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर हो रही है। इस दौरान दोनों नेता भारत और स्वीडन के द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे और व्यापार, निवेश तथा तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। भारत और स्वीडन के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2025 में लगभग 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। दोनों देश अब पर्यावरण-अनुकूल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्टार्टअप, लचीली सप्लाई चेन, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु

परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। स्वीडन में भारत के राजदूत अनुराग भूषण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा दोनों देशों के संबंधों को नई मजबूती देगा। उन्होंने बताया कि स्वीडन में रहने वाला भारतीय समुदाय इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित है और इससे लोगों के बीच जुड़ाव और बढ़ेगा। राजदूत के अनुसार, पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान स्वीडिश प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के अलावा यूरोपीय और स्वीडिश उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे। वे 'यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री' को भी संबोधित करेंगे, जिसमें यूरोप की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले वर्ष 2018 में भारतङ्कनॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्वीडन गए थे। यह नया दौरा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और स्वीडन के प्रधानमंत्री संयुक्त रूप से यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री को भी संबोधित करेंगे. इस कार्यक्रम में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भी मौजूद रहेंगी. यह मंच यूरोप के बड़े उद्योग समूहों का प्रमुख व्यापारिक मंच माना जाता है. स्वीडन रवाना होने से पहले नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन खुद एम्स्टर्डम एयरपोर्ट पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी को विदाई दी.

प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारत और नीदरलैंड के रिश्तों को मिली नई गति

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उनकी नीदरलैंड यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों को नई मजबूती मिली है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाते हुए जल संसाधन, सेमीकंडक्टर, नवाचार, रक्षा, स्थिरता और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भविष्य का महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है. प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत और नीदरलैंड की दोस्ती और मजबूत होगी. उन्होंने प्रधानमंत्री रॉब जेटन को गर्मजोशी से स्वागत और एयरपोर्ट पर विदाई देने के लिए धन्यवाद भी दिया.

ब्रिटेन की राजनीति में मचा भूचाल

अपने इस्तीफे की तैयारी में प्रधानमंत्री कीर स्टारमर......

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा है. स्थानीय चुनावी हार के बाद 70 से ज्यादा लेबर सांसदों और कई मंत्रियों ने कीर स्टार्मर से इस्तीफे की मांग की है. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपने करीबी सहयोगियों से कहा है कि वह पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। डेली मेल की रिपोर्ट में कैबिनेट के एक सदस्य के हवाले से यह दावा किया गया है। लेबर पार्टी में बढ़ते असंतोष, खराब जनसमर्थन और आंतरिक दबाव के

बीच स्टारमर जल्द पद छोड़ने का ऐलान कर सकते हैं। स्थानीय चुनावों में करारी हार के बाद उनपर इस्तीफे का दबाव बढ़ रहा है। यूनाइटेड किंगडम में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर पद छोड़ने को तैयार हैं।

भारी बारिश का अलर्ट

सावधान....15 राज्यों में कहर बरपाएगा मौसम 75 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

नई दिल्ली। भीषण गर्मी की मार झेल रहे करोड़ों भारतीयों के लिए भारी उथल-पुथल वाले होने वाले हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश के 15 राज्यों के लिए एक गंभीर चेतावनी जारी की है, जो सीधे तौर पर हमारे और आपके रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करने वाली है। आसमान से बरसती आग के बीच अब तूफानी हवाओं, ओलावृष्टि और भारी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। अगर आप आज घर से बाहर निकलने का मन बना रहे हैं या किसी यात्रा पर हैं, तो आपको मौसम का यह ताजा हाल जान लेना चाहिए, क्योंकि प्रकृति का मिजाज अचानक बिगड़ने वाला है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 15 राज्यों में मौसम करवट लेने वाला है।

इसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान जैसे प्रमुख राज्य शामिल हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस दौरान हवाओं की रफ्तार 65-75 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इतनी तेज हवाएं न केवल यातायात को प्रभावित करती हैं, बल्कि कच्चे मकानों और पेड़ों के लिए भी बड़ा खतरा पैदा कर सकती हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि कई इलाकों में बारिश के साथ-साथ ओले भी गिर सकते हैं, जिससे किसानों की फसलों और आम जनजीवन को नुकसान पहुंच सकता है। राजधानी दिल्ली और एनसीआर के निवासियों के लिए आज का दिन काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मौसम विभाग ने यहाँ रात के समय बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान और हल्की बारिश का अनुमान लगाया है। हालांकि, राहत मिलने के बजाय गर्मी और बढ़ सकती है, जहां पारा 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां के हालात और भी कठिन हैं। बांदा जैसे जिलों में तापमान 44.8 डिग्री तक जा पहुंचा है, जबकि प्रयागराज और झांसी में भी 44 डिग्री के पार पारा दर्ज किया गया है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पूछे ये 3 बड़े सवाल

अब तक सस्पेंड क्यों नहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक और सीबीआई जांच के बीच अब इस पूरे मामले ने एक बड़ा सियासी रूप ले लिया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस महा-घोटाले को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वीडियो जारी करते हुए उन्होंने देश के 22 लाख बच्चों के भविष्य के साथ हुए इस धोखे पर सीधे प्रधानमंत्री से जवाब मांगा है। राहुल गांधी ने 2024 और 2026 के नीट

पेपर लीक की समानताओं को दिखाते हुए सिस्टम पर तंज कसा है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर का अभियान छेड़ दिया है। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक से जुड़े मामले को लेकर अपने सोशल मीडिया पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, नीट 2024 पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द नहीं हुई। मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई ने जांच बिठाई। एक कमेटी बनी। नीट 2026 का भी पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। मंत्री ने फिर इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई फिर जांच कर रही है। एक और कमेटी बनेगी। मोदी जी, देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है- जवाब दो! अपने वीडियो संदेश में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को घेरते हुए तीन बड़े सवाल दागे हैं। बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? बार-बार इस 'परीक्षा पे चर्चा' पर आप चुप क्यों हैं? बार-बार फेल हो रहे शिक्षा मंत्री को आप बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं?

राज्य सरकार ने छीन ली डीसी शांतनु सिन्हा बिस्वास की वर्दी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बड़ी कार्रवाई के बाद कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास की सेवा राज्य सरकार ने समाप्त कर दी है। शुक्रवार रात ये कार्रवाई की गई है। शांतनु सिन्हा बिस्वास पर मनी लॉन्ड्रिंग, उगाही और जमीन कब्जाने से जुड़े पप्पु सोना के आपराधिक सिंडिकेट में शामिल होने के आरोप हैं। इस मामले में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था। मामले की जांच के दायरे में अब कोलकाता पुलिस के 12 अन्य पुलिसकर्मी भी आ गए हैं। सूत्रों के अनुसार, शांतनु सिन्हा बिस्वास पहले कोलकाता पुलिस के सिक्योरिटी कंट्रोल डिवीजन में तैनात थे और कालीघाट थाने के प्रभारी भी रह चुके हैं।

सुप्रिम कोर्ट में सरकार ने कहा

चुनाव आयुक्त चयन पैनल में जज की जरूरी नहीं.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली समिति को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है इसमें जज को शामिल करने की जरुरत नहीं है। अदालत ने कहा कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। केंद्र ने कहा कि समिति में किसी जज को चयन शामिल करना संसद का फैसला हो सकता है, लेकिन इसे संवैधानिक मजबूरी नहीं माना जा सकता। सरकार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का मार्च 2023 वाला आदेश सिर्फ अंतरिम व्यवस्था थी। कोर्ट ने

खुद कहा था कि यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक संसद कानून नहीं बना देती। अब संसद कानून बना चुकी है, इसलिए वही व्यवस्था लागू होगी। सरकार ने ये भी कहा कि, चुनाव आयोग की स्वतंत्रता सिर्फ चयन प्रक्रिया से तय नहीं होती। आयोग की संवैधानिक स्थिति, तय कार्यकाल, हटाने की सुरक्षा और दूसरे कानूनी प्रावधान उसकी स्वतंत्रता सुनिश्चित करते हैं। 2023 का कानून इन सभी सुरक्षा प्रावधानों को बरकरार रखता है और नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता जोड़ता है। अब तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया, जिसमें सरकार की भूमिका के कारण चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हुई हो। बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट में 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई चल रही थी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने दी मंजूरी

33 से बढ़ाकर 37 हो जाएगी सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 38 हो गई है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 (मुख्य न्यायाधीश सहित कुल 38) करने का बड़ा फैसला लिया है। मोदी सरकार के फैसले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुहर लगा दी है। अब देश की सर्वोच्च अदालत में मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 38 हो गई है। मोदी सरकार का यह फैसला ने देश की न्याय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा फैसला माना जा रहा है। कानूनी समुदाय ने इस निर्णय का स्वागत किया है, जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आज यानी 17 मई की सुबह कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले को मंजूरी दे दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि-ष्ट्रपति को सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 जारी करके सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) करने की खुशी है, जिससे सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) एक्ट, 1956 में और बदलाव किया गया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को संसद में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करने के प्रस्ताव को

मंजूरी दी थी। सरकार का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट में लगातार बढ़ रहे मामलों और न्यायिक कार्यभार को देखते हुए जजों की संख्या बढ़ाना बेहद जरूरी हो गया था है। लंबे समय से इस मांग को कानूनी समुदाय और वरिष्ठ वकीलों द्वारा उठाया जा रहा था, ताकि मुकदमों को समय से निपटाने में मदद मिल सके। आखिरी बार 2019 में ये संख्या बढ़ाई गई थी जब मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर संख्या को 30 से बढ़ाकर 33 कर दिया गया था। सरकार के इस फैसले का कानून के जानकारों ने स्वागत किया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दाखिल होने वाले मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जजों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान जजों की कार्यक्षमता और मामलों के निपटारे की दर सराहनीय रही है, लेकिन मामलों की भारी संख्या के कारण अतिरिक्त जज जरूरी हो गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नई इमारत का एक हिस्सा इस साल के अंत तक शुरू हो सकता है। उनके मुताबिक नई व्यवस्था में 38 जजों को आसानी से समायोजित किया जा सकेगा और आने वाले सालों में जजों की संख्या 50 तक पहुंचाने की जरूरत भी पड़ सकती है।

पेंडिंग मामलों में आएगी कमी.....

सरकार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में लगातार बढ़ते कामकाज और लंबित मामलों की संख्या को देखते हुए यह कदम जरूरी हो गया था। नए जजों की नियुक्ति से अदालत की कार्यक्षमता बढ़ेगी और सुनवाई में हो रही देरी को कम करने में मदद मिलेगी। भारत में सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या बढ़ाने से जुड़ा पहला कानून वर्ष 1956 में बनाया गया था। इसके बाद समय-समय पर न्यायपालिका की बढ़ती जरूरतों के अनुसार जजों की संख्या में बदलाव किया जाता रहा है। इससे पहले वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी। अब नए अध्यादेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में कुल स्वीकृत जजों की संख्या, चीफ जस्टिस ऑफइंडिया सहित, 38 हो जाएगी। इसे देश की न्यायिक व्यवस्था को और मजबूत करने तथा लोगों को समय पर न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

केंद्र सरकार की नीतियों को बताया जिम्मेदार, पीएम मोदी व केंद्रीय मंत्री प्रधान के इस्तीफे की उठी मांग

बढ़ती महंगाई के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस चांपा का जोरदार प्रदर्शन

चांपा/मूक पत्रिका

देश में लगातार बढ़ती महंगाई के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चांपा द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन शाम 4.30 बजे अंडर ब्रिज चौक स्थित पेट्रोल पंप के सामने आयोजित हुआ, जिसका नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील साधवानी ने किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ÷मोदी सरकार इस्तीफा दो÷, ÷धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो÷, ÷जब से भाजपा आई है, कमर तोड़ महंगाई आई है÷ जैसे नारों के साथ केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण आम जनता महंगाई की मार झेलने को मजबूर है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य सामग्री सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार आम जनता की पीड़ा के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने केंद्र सरकार से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने भी बढ़ती महंगाई को केंद्र सरकार की नाकामी बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार आम जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन नागेंद्र गुप्ता द्वारा किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जय थवाईत, मण्डल अध्यक्ष अनिल मोदी, राज सरोज, हरीश श्रीवास, जिला महामंत्री नागेंद्र गुप्ता, सेवक बुटू देवांगन, गुलशन सोनी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज शुक्ला, महिला उपाध्यक्ष अनिता प्रकाश, रामबाई स्वर्णकार, पार्षद तमिन्द्र देवांगन, पवन साहू, पवन आर्य, गिरधर देवांगन, पूर्व पार्षद डुग्गु प्रधान, संतोष अनंत, व्यापार प्रकोष्ट जिलाध्यक्ष राज अग्रवाल, वरिष्ठ कांग्रेसी समद बेग, माणिक मसीह, अंजुम अंसारी, सुमित दास, संजय देवांगन, श्यामलाल देवांगन, अनिल बनकर, राजेन्द्र टेकु देवांगन, इकबाल अंसारी, परदेशी केंवट, गज्जू देवांगन, जीवन बंजारे, कार्तिक महंत, राजू मुर्तुजा, परदेशी केवट जूनियर, अरुण देवांगन, पुनिराम देवांगन, विक्रम ओजस्वी, राम साधवानी, इतवारी यादव, राकेश जोशी, बसंत भार्गव, भोला महंत, गणेश विश्वास, छबिलाल पटेल, सहित भारी संख्या में कांग्रेसजन आम नागरिक उपस्थित रहे।

सर्किट हाउस बेमेतरा में राज्यपाल रमेन डेका ने लगाया 'एक पेड़ मां के नाम', दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने अपने बेमेतरा प्रवास के दौरान स्थानीय सर्किट हाउस परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में आंवले का पौधारोपण कर वसुंधरा को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का एक मजबूत संदेश दिया। पौधरोपण के पश्चात राज्यपाल डेका ने उपस्थित अधिकारियों और आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं।

तेजी से बदलते मौसम चक्र और वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने के लिए हर नागरिक को अपने जीवन में पौधे अवश्य लगाने चाहिए। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि अपनी माता जी के सम्मान में लगाया गया यह पौधा न केवल पर्यावरण को समृद्ध करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायी साबित होगा।

अधिकारियों और आमजनों से की अपील

राज्यपाल ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सघन वृक्षारोपण अभियान चलाएं और लगाए गए पौधों की उचित देखभाल व सुरक्षा भी सुनिश्चित करें। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे इस मानसून और विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और उसके बड़े होने तक उसकी जिम्मेदारी लें। इस गरिमामयी कार्यक्रम के दौरान खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक साजा ईश्वर साहू, विधायक बेमेतरा साहू, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, डी आई जी राम कृष्ण साहू, सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने राज्यपाल डेका की इस मुहिम की सराहना करते हुए पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

पाटन जनपद उपचुनावः भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों ने भरा नामांकन, मुकाबला हुआ रोचक

पाटन-अमलेश्वर/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत क्षेत्र क्रमांक 04 के जनपद सदस्य उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों ने अपना नाम निर्देशन पत्र संबंधित अधिकारियों के समक्ष जमा कर दिया है। भाजपा समर्थित प्रत्याशी सुरेंद्र साहू ने रिटर्निंग ऑफिसर पवन सिंह ठाकुर के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी उर्वशी साहू ने जनपद पंचायत सीईओ जगेंद्र साहू के पास अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया। नामांकन दाखिले के दौरान दोनों प्रत्याशियों के समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे और अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में उत्साह दिखाई दिया। उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होने की चर्चा क्षेत्र में जोर पकड़ रही है। दोनों दल अपने प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

इस उपचुनाव की खास बात यह है कि अब तक ग्राम पाहंदा से तीन साहू समाज के प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है, जबकि सांकरा से सतनामी समाज के एक प्रत्याशी ने भी मैदान में उतरते हुए नामांकन जमा किया है। जैसे-जैसे उपचुनाव की तारीख नजदीक आएगी, क्षेत्र में चुनावी माहौल और अधिक गर्माने की संभावना है। फिलहाल इच्छुक प्रत्याशियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया जारी है। 18 मई के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि चुनावी मैदान में कुल कितने प्रत्याशी रहेंगे। अभी तक भाजपा, कांग्रेस और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शुरू हुआ 'ऑपरेशन हंट', पुलिस अलर्ट मोड पर

एयरपोर्ट से सीधे करही गोलीकांड स्थल पहुंचे एसपी पाण्डेय

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करही में हुए सनसनीखेज गोलीकांड मामले को लेकर पुलिस प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने प्रशिक्षण से लौटते ही इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कड़ा रुख अपनाया है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक पाण्डेय राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में आयोजित छह सप्ताह के आईपीएस इंडक्शन प्रशिक्षण कोर्स में शामिल होकर रायपुर एयरपोर्ट पहुंचे थे। एयरपोर्ट से उतरते ही उन्होंने सीधे ग्राम करही पहुंचकर गोलीकांड के घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके की वस्तुस्थिति का गहन आकलन किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने बिर्रा थाना प्रभारी एवं साइबर थाना प्रभारी से पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही मृतक के परिजनों से मुलाकात कर घटना के संबंध में अहम जानकारियां जुटाई और उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान ÷ऑपरेशन हंट÷ की शुरुआत कर दी गई है। इस अभियान के तहत जिले की कई पुलिस टीमों को अलग-अलग दिशाओं में रवाना किया गया है और संदिग्धों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य सुरागों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि आरोपियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। करही गोलीकांड को लेकर जिले भर में पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है।

सारंगढ़ ब्लॉक के हरदी में 18 मई को होगा सुशासन शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार शिविर सारंगढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम हरदी के शासकीय हाईस्कूल परिसर में 18 मई को सुबह 11 बजे से अपरान्ह 3 तक आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्राम रेड़ा, चंवरपुर, भंवरपुर, अमेठी, बासीनबहरा, कोतरी, मुड़ियाडीह, जिल्दी, सुवाताल, उधरा, पचपेड़ी, दुर्गापाली, गोडिहारी, रापागुला, हरदी, चंदाई, कुधरी शामिल हैं। इसमें जिले के नागरिक अपनी मांग, सुझाव और शिकायत प्रशासन को दे सकते हैं।

18 मई को राजस्व शिविर का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत जिले में 18 मई को राजस्व शिविर बरमकेला तहसील के ग्राम कनकीडीपा, परधियापाली, आमाकोनी बड़े, सरिया तहसील के ग्राम बरपाली, नदीगांव, सुरसी, पोरथ, बिलाईगढ़ नगर पंचायत और कोसीर उप तहसील के ग्राम चांटीपाली में किया जायेगा, जहां राजस्व कार्य जैसे सीमांकन, अविवादित नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका आदि का निराकरण होगा।

ग्राम पंचायत नौघट्टा व आश्रित ग्राम छैलपोरा में डोलोमाईट की अवैध खदान में खुलेआम धड़ल्ले से चल रहा है अवैध उत्खनन?

एक शासकीय सेवा में कार्यरत कर्मचारी का अवैध रूप से खनन बदस्तूर जारी

ग्राम पंचायत सहित राजस्व विभाग व खनिज विभाग की भूमिका संदेहास्पद क्यों...?

बरमकेला/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में ऐसे बहुत प्रभावित गांव है जहां लोग आज भी आजादी के पूर्व की जीवन जैसे जीने को मजबूर है। बड़ी बड़ी बीमारियों का चंगुल में फंसते जा रहे है। वही बरमकेला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत नौघट्टा व आश्रित छैलपोरा गांव में अवैध उत्खनन का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। पत्थर खदानों में नियमों को ताक पर रखकर हो रहे अवैध उत्खनन से आम जनमानस बेहद परेशान है। धूल, प्रदूषण और भारी वाहनों की आवाजाही ने ग्रामीणों का जीवन मुश्किल बना दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी खानापूर्ति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अवैध खनन माफिया दिन-रात बेखौफ उत्खनन में लगे हुए हैं, जिससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान हो रहा है। खेतों की उपजाऊ भूमि प्रभावित हो रही है और आसपास के क्षेत्रों में दरारें तक देखने को मिल रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक ठोस कदम उठाता है या फिर कार्रवाई सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेगी। बाकी खबर अगले अंक में अवैध खनिज माफियाओ के नाम उजागर किये जायेगे............

नवागढ़ में पेट्रोल-डीज़ल संकट को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

नवागढ़/मूक पत्रिका

पेट्रोल और डीज़ल की लगातार हो रही किल्लत को लेकर नवागढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया गया। इस दौरान युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हर्ष बघेल, ब्लॉक अध्यक्ष अश्वनी अनंत ब्लॉक महामंत्री खेमन टंडन जी, पवन सन्डे,गुरभेज सिंह गुम्बर,रामनिहोरा सेन,संतोष देवांगन, मानिदास मानिकपुरी,चंद्रप्रकाश,मोहित गर्ग सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रशासन लगातार पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीज़ल उपलब्ध होने की बात कह रहा है, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही पेट्रोल पंप पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया, जहां पेट्रोल और डीज़ल उपलब्ध नहीं मिला। बताया गया कि नवागढ़ क्षेत्र के तीन पेट्रोल पंप पूरी तरह बंद पड़े हैं, जबकि केवल एक पेट्रोल पंप में सीमित मात्रा में डीज़ल उपलब्ध है। वहां भी ÷वाहन लाने पर ही पेट्रोल-डीज़ल दिया जाएगा, डब्बे में नहीं मिलेगा÷ का नोटिस चस्पा किया गया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की व्यवस्था से सबसे अधिक परेशानी किसानों को हो रही है। आमतौर पर खेती-किसानी के कार्य में किसान ट्रैक्टर का उपयोग करते हैं, लेकिन बार-बार ट्रैक्टर को पेट्रोल पंप तक ले जाना और वापस खेत तक लाना किसानों के लिए समय और आर्थिक दोनों रूप से नुकसानदायक साबित हो रहा है। किसानों का आधा समय केवल डीज़ल लाने-ले जाने में ही व्यर्थ हो जाएगा। ऐसे में किसान आखिर खेती का कार्य कैसे करेंगे, यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने, सभी पेट्रोल पंपों में नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं किसानों और आम जनता को राहत देने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आगे और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

महिला आजीविका संवर्धन, युवाओं के हुनर को तराश कर आत्मनिर्भर बनाने, सड़क सुरक्षा पर जोर देने, टीबी उन्मूलन पर विशेष कार्ययोजन बनाने, जल संचयन पर कार्य करने सहित टीबी उन्मूलन पर कार्ययोजना बनाने कहा

राज्यपाल रमेन डेका ने की महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्यपाल रमेन डेका ने बीते रविवार को बेमेतरा में शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी और जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव या प्रशासनिक जटिलताओं के कारण लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई एवं एसएसपी रामकृष्ण साहू सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

* **बैठक में पात्रता और पारदर्शिता: पर जोर-** राज्यपाल ने निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। सर्वे और चयन की प्रक्रिया को इतना सुदृढ़ बनाया जाए कि वास्तविक जरूरतमंदों को प्राथमिकता मिले।

जन-जागरूकता पर जोर - राज्यपाल डेका ने कहा कि कई बार ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में लोगों को योजनाओं की सही जानकारी नहीं होती। इसके लिए स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाएं। जिससे ग्रामीण जनों को योजनाओ का लाभ मिल सकें।

राज्यपाल का संदेश-बैठक के समापन पर राज्यपाल ने कहा कि सभी अधिकारी शिद्दत के साथ मानवीय संवेदना को अपने जीवन में विशेष जगह देवें। उन्होंने कहा कि समाज में वंचित और जरूरतमंद लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि सीनियर सिटीजन के साथ समय बिताए और उनका ख्याल रखें। जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा अध्ययन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच को जगह देवें। जन कल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए हितग्राहियों को लाभांवित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय योजनाओं में केवल आंकड़े पूरा करना उद्देश्य नहीं है, बल्कि आम जन के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को टीम भावना के साथ काम करने और सेवा भाव को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। राज्यपाल रमेन डेका द्वारा दिए गए ये निर्देश राज्य के समग्र विकास, सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण हैं। उनके इस विज़न को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों को निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने निर्देशित किया।

महिला आजीविका संवर्धन पर जोर-महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रणनीतिक बनाने कहा। स्वयं सहायता समूह का सुदृढ़ीकरण करने कहा। बिहान' या स्थानीय आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को जोड़कर उन्हें बैंक लिंकेज और कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध करा कर आर्थिक स्वावलंबन बनाने कहा गया।

*युवाओं का करें कौशल विकास राज्यपाल श्री रमेन डेका ने पारंपरिक कार्यों से हटकर महिलाओं / युवाओ का कौशल उन्नयन करने कहा। डिजिटल साक्षरता, वित्तीय प्रबंधन और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण पर जोर दिया। युवाओं के हुनर को तराश कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने कहा गया। उन्होंने युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने वाला बनाने पर ध्यान देना कहा। स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावाः राज्यपाल रमेन डेका ने युवाओं को 'मुद्रा योजना' या राज्य की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत आसानी से लोन दिलाने और उन्हें मेंटरशिप प्रदान करने निर्देशित किया।कौशल प्रशिक्षण के तुरंत बाद युवाओं को स्थानीय उद्योगों में रोजगार के अवसर दिलाने के लिए जिला स्तर पर 'रोजगार मेलों' का नियमित आयोजनकरने भी कहा।

सड़क सुरक्षा पर ज़ोर-सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और कीमती जानों को बचाने के लिए एक 'थ्री-ई' जिला प्रशासन को ठोस पहल करने निर्देशित किया। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटना एक बहुत बड़ी गंभीर समस्या है। उन्होंने सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। जिन जगहों पर बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं, वहां सड़कों का सुधार, साइनबोर्ड लगाना और स्पीड ब्रेकर दुरुस्त करने कहा गया। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने और 'गोल्डन ऑवर' (दुर्घटना के तुरंत बाद का समय) में मदद करने के लिए 'गुड सेमरीटन' (नेक फरिश्ते) नीति का प्रचार करने निर्देशित किया।

टीबी उन्मूलन पर विशेष कार्ययोजना बनाएं- भारत सरकार के 2025-2026 तक टीबी मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए माइक्रो-प्लानिंग की जरूरत बताया । ग्रामीण, आदिवासी और मलिन बस्तियों में घर-घर जाकर टीबी के लक्षणों वाले मरीजों की पहचान करने कहा गया। टीबी मरीजों को इलाज साथ ही, समाज के संपन्न लोगों और अधिकारियों को 'निक्षय मित्र' बनाकर मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित करने कहा गया, ताकि उन्हें अतिरिक्त पोषण मिल सके। जल संचयन पर कार्ययोजना बनाएं जल संचयन को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाने निर्देशित किया। बढ़ती गर्मी और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए इन पारंपरिक और आधुनिक उपायों पर प्रभावी काम करना समय की मांग बताया। राज्यपाल रमेन डेका डबरी निर्माण ,छोटे आकार के तालाब बनाकर जल संचयन करने निर्देशित किया।

सभी शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग बनाने कहा गया। जल संचयन के लिए आम नागरिकों को प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि बरसाती नालों में पानी का बहाव तेज होता है, जिससे पानी बिना रुके आगे बह जाता है और मिट्टी का कटाव भी होता है। नाला रिचार्ज के तहत इन नालों में 'चेक डैम' (छोटे बांध) या 'गैबियन संरचनाएं' बनाने कहा। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर -यह केंद्र और राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत प्रत्येक जिले में भव्य और बड़े तालाबों (अमृत सरोवर) का निर्माण या पुनरुद्धार किया जा रहा है। इस क्षेत्र में कार्य करने निर्देशित किया।

कांकेर पुलिस की अनूठी पहलः 'मोर मितान' अभियान के तहत बीट पुलिसिंग की समीक्षा, उत्कृष्ट कार्य करने वाले 15 आरक्षक सम्मानित

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ उत्तर बस्तर कांकेर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा नागरिकों एवं पुलिस के बीच आपसी विश्वास व समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पुलिस रक्षित केंद्र कांकेर में पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के नेतृत्व में ÷मोर मितान -कांकेर पुलिस÷ अभियान के अंतर्गत बीट पुलिसिंग की विस्तृत समीक्षा एवं प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारियों, बीट प्रभारियों और बीट स्टाफ सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 140 अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक पुलिसिंग को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाना तथा अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस की सक्रियता को बढ़ाना रहा। जिले में पुलिसिंग व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए वर्तमान में कुल 154 ग्रामों को चिन्हांकित कर बीट प्रणाली का सुचारू संचालन किया जा रहा है। समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा बीट प्रणाली के मूल उद्देश्यों, उसके महत्व और कार्यप्रणाली पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी बीट प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण करें और आम नागरिकों से सतत संवाद स्थापित करें, ताकि स्थानीय समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण किया जा सके। इसके साथ ही, क्षेत्र में होने वाली आपराधिक, सामाजिक, साम्प्रदायिक, राजनीतिक, छात्र एवं श्रमिक गतिविधियों पर पैनी और सतत निगरानी रखने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से बीट अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे क्षेत्र में निवास कर रहे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ नए आने वाले आगंतुकों की गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दें। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि बीट ड्यूटी के दौरान सभी पुलिसकर्मी पुलिस रेगुलेशन के अनुरूप कार्यप्रणाली को अपनाएं। गांवों में नियमित रूप से चौपाल और शिविर आयोजित कर सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए कहा गया है, जिससे आमजन को साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सके। इसके अलावा, लंबे समय से लंबित समंस एवं वारंटों की तामीली, स्थायी वारंटियों की पतासाजी, अवैध शराब की बिक्री पर त्वरित कार्रवाई, निगरानीशुदा बदमाशों की नियमित जांच तथा चोरी व अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों में सक्रिय रूप से पतासाजी करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। बैठक के दौरान तकनीकी और प्रशासनिक समन्वय पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें प्रत्येक बीट आरक्षक को अपनी 'बीट बुक' का उचित एवं नियमित संधारण करने के लिए निर्देशित किया गया। सामुदायिक पुलिसिंग के नेटवर्क को मजबूत करने के लिए प्रत्येक बीट प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों, सरपंच, पटेल, कोटवार, जनप्रतिनिधियों, नवयुवकों एवं महिला स्व-सहायता समूहों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा ÷व्हाट्सएप ग्रुप÷ के माध्यम से सूचनाओं के आदान-प्रदान को तीव्र करने की ट्रेनिंग दी गई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न बीट आरक्षकों द्वारा अपने क्षेत्रों में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों, अपराध नियंत्रण और जनसंपर्क से जुड़ी उपलब्धियों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य करने वाले 15 बीट आरक्षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, ताकि अन्य पुलिस कर्मचारियों को भी पूरी निष्ठा के साथ बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिल सके। पुलिस अधीक्षक ने सख्त लहजे में निर्देशित किया कि यदि बीट क्षेत्र में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा अपराध संबंधी सूचना प्राप्त होती है, तो बीट स्टाफ तत्काल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इससे अवगत कराएं और विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के समापन पर समस्त बीट आरक्षकों को अपने निर्धारित क्षेत्र में अत्यंत सतर्क, सक्रिय और एक जिम्मेदार पुलिसकर्मी के रूप में कार्य करने का संकल्प दिलाया गया। वहीं, कांकेर पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देकर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।

खबर का असर : डीजल किल्लत पर हरकत में आया प्रशासन, कलेक्टर ने पेट्रोल पंप संचालकों की ली बैठक, तय सीमा में डीज़ल पेट्रोल देने के निर्देश..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले में पेट्रोल-डीजल की कमी और पेट्रोल पंपों में मची अफरा-तफरी की खबर सामने आने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है।

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक लेकर पेट्रोल-डीजल वितरण व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आम उपभोक्ता, किसान, ट्रांसपोर्टर और जरूरी सेवाओं को तय सीमा के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था और कालाबाजारी की स्थिति न बने।

एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड को प्राथमिकता-बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एम्बुलेंस, हॉस्पिटल डीजी सेट, फायर ब्रिगेड और शासकीय वाहनों जैसी अतिआवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के

सारंगढ़ में नियमों की उड़ रही धज्जियां : जिला दंडाधिकारी के निर्देश के बावजूद बोतल और जेरकिन में बेचा जा रहा पेट्रोल-डीजल

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सूत्रों कि माने तो सारंगढ़ शहर के भारत माता चौक के समीप स्थित एक पेट्रोल पंप में जिला दंडाधिकारी के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद खुलेआम जेरकिन, डिब्बा एवं प्लास्टिक बोतलों में पेट्रोल-डीजल दिए जाने का मामला सामने आया है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और संभावित दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पेट्रोलियम पदार्थों की खुले कंटेनरों में बिक्री पर सख्त रोक लगाई गई है, इसके बावजूद नियमों की अनदेखी जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार पेट्रोल पंप में बिना किसी जांच-पड़ताल के लोगों को बोतल और जेरकिन में आसानी से पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे जहां एक ओर सुरक्षा संबंधी खतरा बढ़ रहा है, वहीं प्रशासनिक आदेशों की गंभीरता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में ज्वलनशील पदार्थों का इस प्रकार खुले कंटेनरों में परिवहन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।जानकारों का कहना है कि जिला प्रशासन ने पूर्व में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा कारणों से स्पष्ट निर्देश जारी किए थे कि किसी भी व्यक्ति को बोतल, गैलन या अन्य असुरक्षित पात्रों में पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। इसके लिए पेट्रोल पंप संचालकों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए थे। बावजूद इसके नियमों का पालन नहीं होना प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर रहा है। मामले को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित पेट्रोल पंप की जांच कर कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। वहीं यह भी चर्चा है कि यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो इस प्रकार की लापरवाही बड़े हादसे का रूप ले सकती है।

साथ पेट्रोल-डीजल दिया जाए। साथ ही सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को शासकीय वाहनों का जरूरत के अनुसार और मितव्ययिता से उपयोग करने कहा गया है।

वाहनों के लिए तय हुई सीमा-जिला प्रशासन ने अलग-अलग वाहनों के लिए पेट्रोल-डीजल की मात्रा भी निर्धारित कर दी है। इसके अनुसार ट्रेलर – 100 लीटर, 18 चक्का वाहन – 80 लीटर, 12 से 16 चक्का वाहन – 60 लीटर, 6 चक्का वाहन – 40 लीटर, एसयूवी/कार – 20 लीटर, ट्रैक्टर और हार्वेस्टर – 50 लीटर ही दिया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि तय सीमा के भीतर ही पेट्रोल-डीजल दिया जाएगा ताकि सभी लोगों तक उपलब्धता बनी रहे।

सीसीटीवी निगरानी और रिफ्यूलर टैंकर पर रोक-बैठक में यह भी तय किया गया कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों को अपने सीसीटीवी का एक्सेस संबंधित ओएमसी कंपनी और खाद्य विभाग को उपलब्ध कराना होगा। इसके जरिए बिक्री और गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा रिफ्यूलर टैंकर से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्टॉक की अनावश्यक खपत रोकी जा सके।

अफवाहों से बचने की अपील-कलेक्टर ने पंप संचालकों से कहा कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और रोजाना की जरूरत के हिसाब से सामान्य तरीके से पेट्रोल-डीजल का वितरण करें। साथ ही आम लोगों को भी अवैध भंडारण और कालाबाजारी से बचने समझाने के निर्देश दिए गए।

खबर सामने आने के बाद सक्रिय हुआ प्रशासन-गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से सरिया, बरमकेला और आसपास के क्षेत्रों में डीजल की भारी किल्लत देखने को मिल रही थी।

पेट्रोल पंपों में डीजल पहुंचते ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही थी। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, चार पहिया वाहन, बाइक और डब्बा लेकर लोग घंटों लाइन में खड़े नजर आ रहे थे। कई जगहों पर स्थिति अनियंत्रित होने लगी थी। इसी हालात को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तुरंत बैठक बुलाकर नई व्यवस्था लागू की है।

भिंभौरी के गजेन्द्र यादव को मिला कबड्डी के सर्वश्रेष्ठ प्लेयर का खिताब

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले में 10,11,12 मई को एम पी क्लब धुरसेना एवं जिला कबड्डी संघ के संयुक्त तत्वावधान में बेमेतरा जिला कबड्डी प्रिमियम लिग का भव्य आयोजन किया गया। ट्रायल में जिले के सभी ब्लाकों के खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें न्यू सुभाष नवयुवक मंडल भिंभौरी के गजेन्द्र यादव व पंकज वर्मा का चयन धुरसेना योद्धा टीम में हुआ। प्रतियोगिता में कुल 10 टीमें थी।धुरसेना योद्धा ने सेमीफाइनल में स्काई टर्सल बैहरसरी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया जहाँ उसका मुकाबला मजबूत टीम माँ अम्बे आडियो मोतिमपुर से था,धुरसेना योद्धा ने कड़े मुकाबले में 29-28 के अंतर से केवल एक अंक से विजय प्राप्त कर चमचमाती ट्राफी पर कब्जा किया। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार न्यू सुभाष नवयुवक मंडल भिंभौरी के गजेन्द्र यादव को प्राप्त हुआ जहाँ उसके शानदार खेल के लिए उसे रेंजर सायकल से पुरस्कृत किया गया। इस उपलब्धि के लिए न्यू सुभाष नवयुवक मंडल भिंभौरी के अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा,भारत साहू,धनेन्द्र साहू,विक्रम साहू,विक्की साहू,सेवा राम राकेश,रवि वर्मा, चिकी,कामदेव,दुर्जन यादव,उत्कल धीवर,कमलेश वर्मा,बुलाकी वर्मा,धर्मराज साहू,ओमप्रकाश यदु,हेमंत नेवल,किशोर साहू,अश्वनी परगनिहा,विकास यदु सहित समस्त सदस्यों ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई संप्रेषित किया।नगर पंचायत भिंभौरी में संचालित खेलो इंडिया मिनी कैंप में इस खिलाड़ी को निखारने में अपने समय के स्टार आलराउंडर व अनुभवी कोच कामता निषाद के साथ भारत साहू का विशेष योगदान है।

बैंकिंग योजनाओं का हर पात्र हितग्राही तक पहुंचे लाभ : कलेक्टर व्यास

किसानों को केसीसी, मुद्रा व बीमा योजनाओं से करे लाभान्वित

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं विशेष जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर व्यास ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पात्र हितग्राहियों को बैंकिंग सुविधाओं और ऋण योजनाओं का लाभ उदारतापूर्वक दिया जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ऋण आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने विशेष रूप से कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत प्राप्त ऋण प्रकरणों को तेजी से निराकृत करें, जिससे अधिक लोग योजना के प्रति जागरूक होंगे। बैठक में जिले में नए खोले जाने वाले बैंकिंग शाखाओं के बारे में भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, आरबीआई प्रतिनिधि, लीड बैंक मैनेजर, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि यदि किसी हितग्राही का ऋण आवेदन अस्वीकृत किया जाता है, तो उसे स्पष्ट कारण बताते हुए समाधान के विकल्प भी बताए जाएं। उन्होंने बैंक अधिकारियों से सहयोगात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि बैंकिंग सेवाओं को सरल एवं सुलभ बनाया जाए। उन्होंने क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात को संतुलित रखने और समय पर ऋण वितरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम स्वनिधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड , बिहान योजना सहित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा की गई।

जुआ, सट्टा, अवैध शराब एवं सूखे नशे के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही

मुंगेली/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन बाज के तहत जुआ, सट्टा, अवैध शराब एवं सूखे नशे के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा के मार्गदर्शन में मुंगेली द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है, इसी क्रम में साइबर सेल एवं थाना जरहागांव पुलिस टीम द्वारा आबकारी एक्ट के तहत दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जरहागांव पथरिया मोड़ रोड के पास दो व्यक्ति अधिक मात्रा में शराब रखकर मोटरसायकल प्लेटिना का परिवहन कर रहे हैं। सूचना पर थाना जरहागांव एवं साइबर सेल टीम द्वारा तत्काल संयुक्त घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया। पूछताछ में संदेहियों ने अपना नाम 1.राजेश उर्फ घोघरो धुरी पिता स्व. बाबूलाल धुरी उम्र 51 वर्ष निवासी ग्राम - बरेला, थाना - जरहागांव, जिला मुंगेली 2.मनोज श्रीवास पिता जलेश्वर प्रसाद श्रीवास उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 07 पांडातराई थाना तखतपुर जिला बिलासपुर छ.ग. का रहने वाला बताया, जिनका तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से अधिक मात्रा में 22 देशी प्लेन शराब (3.960 बल्क लीटर), 18 पाव गोवा अंग्रेजी शराब (3.240) जुमला 40 पाव शराब (7.2 बल्क लीटर) कीमती 3920 रूपये एवं घटना मे प्रयुक्त वाहन प्लेटिना क्रमांक सीजी 10 ईए 7406 को मौके उपस्थित गवाहों के समक्ष जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध थाना जरहागांव मे अपराध क्रमांक 60/2026 धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया। उक्त कार्यवाही मे उपनिरी.शोभा यादव (प्रभारी,थाना जरहागांव), उपनिरी. सतेन्द्रपुरी गोस्वामी (प्रभारी, सायबर सेल) व सायबर सेल, थाना स्टॉफ की अहम भूमिका रही।

शनि अमावस्या पर हुआ शनिदेव का तेल अभिषेक, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मुंगेली/मूक पत्रिका

क्षेत्र के विभिन्न शनिदेव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दुर्लभ संयोग के चलते सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें मंदिरों के बाहर लगी रहीं। श्रद्धालु विशेष रूप से शनिदेव का तेल अभिषेक करने पहुंचे और अपनी श्रद्धा अनुसार पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। मान्यता है कि शनि अमावस्या के दिन शनिदेव की पूजा करने और तेल चढ़ाने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है तथा जीवन की बाधाएं दूर होती हैं। इसी आस्था के चलते दूर-दराज से भी लोग मंदिर पहुंचे। कई स्थानों पर भक्तों ने काले तिल, तेल और फूल अर्पित कर विधिवत पूजा की।

मंदिर परिसर में सुबह से ही धार्मिक माहौल बना रहा। भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे दर्शन प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रही।

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने कांकेर जिले का किया मैराथन दौरा,

सड़क-पुल निर्माण में लापरवाही पर कड़ा रुख : नरहरपुर कॉलेज भवन के ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / उत्तर बस्तर कांकेर राज्य शासन वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए पूरी सक्रियता से काम कर रही है। अंदरूनी इलाकों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा सुनिश्चित करने के लिए लगातार कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने कांकेर जिले का सघन दौरा किया। उन्होंने भानुप्रतापपुर सर्किट हाउस में विभाग के कांकेर और भानुप्रतापपुर संभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी. के. भतपहरी भी विशेष रूप से मौजूद थे। सचिव बंसल ने बैठक में स्पष्ट लहजे में कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ फील्ड में उतरकर निर्माण कार्यों में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए।

लापरवाह ठेकेदारों पर होगी पेनल्टी और टर्मिनेशन की कार्रवाई

विभागीय सचिव ने नरहरपुर में कॉलेज भवन के निर्माण में अत्यधिक ढिलाई बरतने पर कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदार को तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि काम में देरी और गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर नियमानुसार पेनल्टी लगाई जाए, उन्हें डिग्रेड किया जाए और जरूरत पड़ने पर सीधे टर्मिनेशन की कार्रवाई भी की जाए। इसके साथ ही उन्होंने अभियंताओं को निर्देशित किया कि ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों का समय पर परीक्षण कर तत्परता से भुगतान सुनिश्चित करें।

मानसून से पहले अनिवार्य रूप से हो सड़कों की मरम्मत

आगामी मानसून को देखते हुए सचिव बंसल ने कड़े निर्देश दिए कि बरसात की शुरुआत से पहले सभी सड़कों की मरम्मत अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाए। बारिश के दिनों में सड़कों या उनके किनारों पर गड्डों की वजह से पानी जमा नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पुलों पर रिफ्लेक्टर्स और रेलिंग लगाने के काम को भी तत्काल पूरा करने को कहा, ताकि बारिश के मौसम में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके और यातायात की रफ्तार धीमी न हो।

दूरस्थ अंचलों में सुगम यातायात को शासन की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने पहुंचविहीन गांवों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए पुल निर्माण के नए प्रस्ताव तैयार कर तत्काल शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने पुल और सड़क के बीच के जॉइंट को बिल्कुल स्मूथ रखने को कहा, ताकि वाहनों के आवागमन में कोई झटका न लगे। निर्माण कार्यों का जमीनी निरीक्षणः 120 करोड़ की सड़क का लिया जायजा समीक्षा बैठक के बाद सचिव मुकेश कुमार बंसल ने मैदानी स्थिति जानने के लिए निर्माणाधीन सड़कों और पुलों का खुद निरीक्षण किया। उन्होंने भानुप्रतापपुर के पास छोटे नारायणपुर में खंडी नदी पर तथा जिला मुख्यालय नारायणपुर के पास राजनांदगांव-बैलाडीला मार्ग में मेढ़की नदी पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल का बारीकी से निरीक्षण कर कार्य प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने अंतागढ़ से नारायणपुर तक 46 किलोमीटर लंबे और करीब 120 करोड़ रुपये की लागत से हो रहे सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण कार्य का भी अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों को हर हाल में समय-सीमा के भीतर इन महत्वपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यालय में निवास करने और नियमित फील्ड दौरे के निर्देश

विभागीय कार्यों में कसावट लाने के उद्देश्य से सचिव ने सभी अधिकारियों को अनिवार्य रूप से अपने निर्धारित मुख्यालय में ही निवास करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड का नियमित दौरा करें, चल रहे कार्यों का बारीकी से निरीक्षण करें और गुणवत्ता व समय-सीमा में कार्य पूर्णता सुनिश्चित कराएं। इसके अलावा, उन्होंने न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर शासन का जवाब दाखिल करने तथा सर्किट हाउसों व विश्राम गृहों का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस महत्वपूर्ण बैठक और निरीक्षण के दौरान जगदलपुर परिक्षेत्र के अधीक्षण अभियंता संजय सूर्यवंशी, कांकेर के कार्यपालन अभियंता सहित भानुप्रतापपुर एवं कांकेर संभाग के सभी उप अभियंता व सहायक अभियंता प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

संपादकीय

हिमाचल के युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय

हिमाचल सरकार ने एक जून से शिक्षा संस्थानों में चिट्टा के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू करने का फैसला भी किया है। मगर यह तभी सार्थक होगा, जब अभिभावकों को भी इससे जोड़ा जाएगा। शांतिप्रिय राज्य की छवि वाले हिमाचल प्रदेश में अब युवाओं के बीच नशे की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। नशीले पदार्थों का जाल न केवल शहरी, बल्कि ग्रामीण इलाकों तक फैल गया है। एक खास तरह का नशीला पदार्थ, जिसे स्थानीय भाषा में चिट्टा कहा जाता है, उसकी लत युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही है।दरअसल, जम्मू और पंजाब की सीमाओं से सटे होने के कारण हिमाचल में नशीले पदार्थों की तस्करी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। जांच एजेंसियों के तमाम दावों के बावजूद नशे के इस तंत्र पर रोक नहीं लग पा रही है। अब प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए सरकारी नौकरी के लिए युवाओं का 'एंटी चिट्टा टेस्ट' अनिवार्य कर दिया है। साथ ही मेडिकल और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों की भी हर वर्ष ऐसी ही जांच कराई जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि सरकार के इस कदम से युवाओं को नशे से दूर रखने में कुछ हद तक मदद मिल सकती है।हिमाचल सरकार ने एक जून से शिक्षा संस्थानों में चिट्टा के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू करने का फैसला भी किया है। मगर यह तभी सार्थक होगा, जब अभिभावकों को भी इससे जोड़ा जाएगा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खेती और घरेलू कार्यों की व्यस्तता की वजह से माता-पिता अपने बच्चों पर ज्यादा नहीं दे पाते हैं और उन्हें नशीले पदार्थों की तस्करी की भी कम ही जानकारी होती है।ऐसे में किशोरों और युवाओं के साथ-साथ अभिभावकों को भी जागरूक करने की जरूरत है, ताकि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रख सकें और उन्हें नशे के दलदल में उतरने से रोक सकें। इसके अलावा राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ अभियान से जुड़ने वाले अधिकारियों की वार्षिक रपट में भी इस कार्य का उल्लेख करने की बात कही है। यह वास्तव में एक व्यावहारिक पहल है।इसमें दोराय नहीं कि राज्य सरकार सतही उपायों के बजाय धरातल पर काम करने का प्रयास कर रही है, लेकिन उसे राज्य में शिक्षित युवाओं को रोजगार देने की दिशा में भी व्यापक स्तर पर कदम उठाने होंगे, क्योंकि नशे का सेवन करने वालों में छात्रों और बेरोजगार युवाओं की तादाद अधिक है।

ममता का किला ढहाने के लिए भाजपा की बंगाल विजय में अहम रही संघ की भूमिका

(श्यामलाल यादव)

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जो प्रचंड जीत मिली है, उसमें बीजेपी संगठन के अलावा आरएसएस की भूमिका काफी अहम रही है। आरएसएस के कार्यकर्ताओं और प्रचारकों का कहना है कि टीएमसी के शासन में उन्हें काम करने में सबसे ज्यादा दिक्कतें आई थीं। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की अभूतपूर्व जीत में वैसे तो कई कारक रहे हैं, लेकिन एक अहम बिंदु आरएसएस का है। बीजेपी के लिए आरएसएस ने पिछले एक दशक में शांत तरीके से जमीन पर उतरकर काम किया। संगठन में विस्तार की पुरजोर कोशिशें कीं। उसी का नतीजा है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सत्ता तक पहुंच गई। बीजेपी ने बंगाल के इस बार के विधानसभा चुनाव में हिंदुत्व का मुद्दा मुखरता के साथ उठाया था लेकिन ऐसा नहीं हैं, कि ये बीजेपी के लिए कोई नया मुद्दा नहीं बल्कि यहां हिंदू पहचान की राजनीति का इतिहास एक सदी पुराना है। इसके बावजूद आरएसएस और बीजेपी के पूर्ववर्ती संगठन यानी जनसंघ बंगाल में अपनी जड़े जमाने में कामयाब नहीं हो पाया।

बंगाल में लंबा रहा है बीजेपी का संघर्ष - साल 1951 के बंगाल चुनाव में भारतीय जनसंघ ने 9 विधानसभा सीटें जीती थीं, और 12.57 वोट प्रतिशत का वोट भी हासिल किया था लेकिन उसके बाद यहां से जनसंघ का नामोनिशान मिटता चला गया। इसके बाद जनसंघ का स्वरूप बदला और वो भारतीय जनता पार्टी बन गई। यह लंबा सूखा 2014 में तब समाप्त हुआ, जब बीजेपी ने उपचुनाव में अपनी पहली विधानसभा सीट जीती। बीजेपी ने साल 2016 में 3, 2021 में 77 सीटें जीती थीं। वह मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई थी। इस बार के चुनाव में 207 सीटों के साथ प्रचंड जीत के साथ सरकार बना ली। वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारियों ने बताया कि चुनावी लिहाज से निर्णायक मोड़ 2021 के विधानसभा चुनाव में आयास क्योंकि आरएसएस को यह समझ आ गया था कि अब ममता बनर्जी के खिलाफ चुनावी लड़ाई जीती जा सकती है। पिछले दो वर्षों में संघ ने भाजपा के जमीनी स्तर के तंत्र में मौजूद कमियों को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से 2,000 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को जुटाया था।

संघ ने जमीन पर उतारे थे कार्यकर्ता - ये कार्यकर्ता संघ और पार्टी के कैडर से लिए गए थे। इन कार्यकर्ताओं के सभी खर्चों का वहन पार्टी द्वारा किया गया था और उन्हें एक ही लक्ष्य दिया गया था। जमीन स्तर पर गांवों, बस्तियों विशिष्ट समुदायों के बीच काम करने के लिए आरएसएस ने पूरी ताकत झोंकी थी। संघ की भूमिका बीजेपी की राजनीतिक सफलता का मार्ग प्रशस्त करने वाली सामाजिक और मनोवैज्ञानिक परिस्थितियाँ बनाने की थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को बंगाल में काफी बड़ा झटका लगा था। इसका काफी हद तक कारण ये माना गया था, कि संघ और बीजेपी के बीच किसी भी तरह का समन्वय स्थापित न हो पाना था।। तत्कालीन अध्यक्ष जेपी नड्डा ने द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक साक्षात्कार में यह संकेत दिया था कि पार्टी को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है। उनके इस बयान के बाद आरएसएस ने कथित तौर पर अपनी सक्रियता जमीन पर काफी कम कर दी थी।

इस बार के चुनाव में बेहतर था समन्वय - आरएसएस की मध्य बंगाल इकाई के एक पदाधिकारी ने इस बार के चुनाव को लेकर कहा, लगातार समन्वय बना रहा। बीजेपी कार्यकर्ता राजनीतिक लड़ाई में सबसे आगे थे, हमारे कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को निडर होकर मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। बता दें कि राज्य में आरएसएस की संगठनात्मक संरचना उत्तर, मध्य और दक्षिण बंगाल के तीन क्षेत्रों में विभाजित है।

राज्य के बाहर से आए 2,000 कार्यकर्ता बारी-बारी से काम करते थे जिनकी न्यूनतम तैनाती तीन महीने की होती थी। 150 से अधिक वरिष्ठ नेता, अन्य राज्यों के विधायक और चुनाव प्रबंधन के अनुभवी लोग भी लगभग दो वर्षों तक राज्य में डेरा डाले रहे। इन नेताओं ने विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी के रूप में कार्य किया और उनकी भूमिका पारंपरिक चुनाव प्रचार से कहीं अधिक व्यापक थी।

भय के बीच कार्यकर्ताओं ने किया काम - एक बीजेपी नेता ने कहा, कई जगहों पर तो हमारे आरएसएस-भाजपा कार्यकर्ता भी डरे हुए थे और कई जगहों पर उन्होंने शिकायत की कि टीएमसी के लोगों ने उन्हें धमकाया है। डर के मारे हमारे कुछ कार्यकर्ताओं ने काम करना भी बंद कर दिया, लेकिन हमने उन्हें समझाया कि चिंता न करें। हमने उन्हें टीएमसी कार्यकर्ताओं से झड़पों से बचने और घर-घर जाकर संपर्क साधने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। जाति, समुदाय, महिला और छात्र समूहों के साथ-साथ शिक्षक और पेशेवर नेटवर्क में तैनात इन कार्यकर्ताओं ने 15-20 लोगों की अनेकों सभाएं कीं। इनमेंमें बंगाली गौरव, महिलाओं की सुरक्षा, बेरोजगारी और आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार और हत्या मामले और सांप्रदायिक विभाजन जैसे भावनात्मक मुद्दों पर सावधानीपूर्वक तैयार किए गए चर्चा बिंदु शामिल थे।

सुनील बंसल का डेटा मैनेंजमेंट - जमीनी स्तर की ताकत के अलावा, बीजेपी-आरएसएस ने ऐसी नियुक्तियां भी कीं, जिनसे अंततः अच्छे परिणाम मिले। 2016 के चुनावों में भूपेंद्र यादव और कैलाश विजयवर्गीय की जोड़ी सत्ता में थी। 2021 तक पार्टी ने अपने संयुक्त महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश और राष्ट्रीय सचिव अरविंद मेनन को तैनात कर दिया था। शिव प्रकाश ने आरएसएस की तर्ज पर लगभग पांच साल जमीनी स्तर पर काम किया। बंगाल के प्रभारी वर्तमान भाजपा महासचिव सुनील बंसल ने अपने पूर्ववर्तियों द्वारा स्थापित मॉडल को और बारीकी से लागू किया। उत्तर प्रदेश के एक नेता ने बंगाल चुनाव में 6 महीने बिताए थे। उन्होंने बताया कि सुनील बंसल और पार्टी द्वारा इस चुनाव में डेटा-आधारित सटीकता के साथ किए गए कार्य की सराहना की।

उन्होंने कहा, डेटा के मामले में रिसर्च इतनी गहरी थी कि अन्य राज्यों से नियुक्त किए गए 294 विधानसभा क्षेत्रों के सभी प्रभारियों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित 20-25 पृष्ठों की एक फ़ोल्डर दी गई थी। इसमें स्थानीय मुद्दे, पिछले कुछ चुनावों का मतदान पैटर्न, क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ता, विभिन्न दलों के प्रमुख पदाधिकारियों के विवरण और संपर्क, साथ ही उनकी कमजोरियां और ताकतें जैसी जानकारियां भी शामिल थीं।

2016 से डेटा तैयार कर रही थी टीम - पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर बीजेपी संगठन के नेताओं ने जिस डेटा का इस्तेमाल किया था। वह 20216 से बीजेपी के लिए काम करने वाली राजनीतिक रणनीति बनाने वाली एक कंपनी ने जुटाया था। कंपनी के डेटा को देख स्थानीय स्तर के नेता भी काफी चौंक गए थे। उत्तर प्रदेश के एक नेता ने कहा, हम विधानसभा क्षेत्रों में सभी आवश्यक आंकड़ों से लैस थे। स्थानीय नेता और कार्यकर्ता अक्सर जमीनी स्तर की जानकारी और अन्य दलों के नेताओं के बारे में हमारे ज्ञान और समझ से आश्चर्यचकित रह जाते थे। सूची में यह भी शामिल था कि हमारे क्षेत्र में टीएमसी के कौन से नेता अप्रत्यक्ष रूप से हमारे लिए काम कर सकते हैं और उनसे संपर्क किया जा सकता है।

टीएमसी ने भी दिया मौका - संघ के नेताओं ने कहा कि टीएमसी की वजह से आरएसएस और बीजेपी का विकास हो सकता है। चुनाव के दौरान राज्य भर में तैनात रहे कोलकाता के संघ एक वरिष्ठ प्रचारक ने कहा, अगर टीएमसी सरकार नहीं होती, तो पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत संभव नहीं होती। राज्य में हमारा काम टीएमसी के उदय और मजबूती के साथ बढ़ा और ममता बनर्जी के नेतृत्व में उनकी मुस्लिम तुष्टीकरण नीतियों के कारण राज्य में सांप्रदायिक विभाजन और भी गहरा गया। 2011 से पहले हमारे पास बहुत कम बंगाली प्रचारक थे। ये वैसी ही स्थिति थी, जैसी पंजाब में बीजेपी की है, जहां उसके पास बेहद कम प्रचारक थे। अब हमारे पास बंगाली प्रचारकों की एक लंबी सूची है, जिनमें न केवल पश्चिम बंगाल मूल के लोग हैं, बल्कि बांग्ला भाषी लोग भी शामिल हैं। एक अन्य आरएसएस पदाधिकारी ने कहा, वामपंथी शासन के दौरान सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण करना मुश्किल था। टीएमसी के शासनकाल में यह बहुत आसान हो गया। टीएमसी के शासनकाल में संघ के विस्तार की ओर इशारा करते हुए अंदरूनी सूत्रों ने दावा किया कि राज्य भर में आरएसएस की 1,500 से अधिक दैनिक शाखाएं संचालित होती थीं। अगर यदि साप्ताहिक और मासिक सभाओं का जिक्र करें तो ये संख्या और ज्यादा प्रभावशाली भी नजर आएगी।

किसी राज्य में आरएसएस को नहीं हुई बंगाल जैसी दिक्कतें - आरएसएस नेता ने कहा, समय बीतने के साथ हमने महसूस किया कि बंगाली हिंदुओं के बीच टीएमसी और उसके नेतृत्व के प्रति एक प्रकार की नफरत बढ़ रही थी। हमने पाया कि जिन महिलाओं से हम संपर्क कर रहे थे, उनमें से बड़ी संख्या में महिलाएं ममता बनर्जी के खिलाफ हो गई थीं। आरएसएस के नेताओं ने कहा कि शाखाएं आयोजित करना संघ के लिए काफी मुश्किल हो गया था। इसको लेकर एक पदाधिकारी ने कहा कि शायद और कोई राज्य ऐसा नहीं था, जहां हमारे लिए संघ की शाखा का आयोजन करना काफी मुश्किल था।

परिस्थितियां नहीं, दृष्टिकोण जीवन का निर्माता

(शिशिर शुक्ला)

दृष्टिकोण केवल विचारों का संग्रह ही नहीं है, बल्कि यह हमारे अनुभवों, संस्कारों, शिक्षा और जीवन दृष्टि का समन्वित परिणाम होता है। यह वह नींव है, जिस पर हम अपने निर्णयों, कर्मों एवं भविष्य की इमारत खड़ी करते हैं।

जीवन सतत रूप से गतिशील है। गतिशीलता की इस यात्रा में यह भांति-भांति के रूप धारण करता है। जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण ही हमारे अंतर्मन और जीवन के प्रतिबिंब को निर्धारित करता है। संसार में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के दौरान लगभग समान परिस्थितियों का सामना करता है। ये परिस्थितियां हैं- सफलता, विफलता, सुख-दुख, आपदा संघर्ष और अवसर। मगर इन परिस्थितियों के प्रति प्रत्येक व्यक्ति की प्रतिक्रिया भिन्न होती है। यह भिन्नता दरअसल उनके दृष्टिकोण के अंतर से उत्पन्न होती है।

दृष्टिकोण वह मानसिक आईना है, जिसके द्वारा निर्मित प्रतिबिंब के माध्यम से ही हम संसार को देखते और समझते हैं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि मनुष्य के जीवन का स्वरूप परिस्थितियों की अपेक्षा दृष्टिकोण से अधिक प्रभावित होता है।

दृष्टिकोण केवल विचारों का संग्रह ही नहीं है, बल्कि यह हमारे अनुभवों, संस्कारों, शिक्षा और जीवन दृष्टि का समन्वित परिणाम होता है। यह वह नींव है, जिस पर हम अपने निर्णयों, कर्मों एवं भविष्य की इमारत खड़ी करते हैं। सकारात्मक, व्यापक और उदार नजरिए से युक्त व्यक्ति कठिन व विषम परिस्थितियों में भी अनुकूल अवसर तलाश लेता है। इसके विपरीत अगर दृष्टिकोण संकीर्ण, नकारात्मक और निराशावादी है, तो ऐसा व्यक्ति अनुकूल परिस्थितियों में भी असंतोष और विफलता से ही घिरा रहता है।

पानी से आधे भरे हुए बर्तन को दो रूप में देखा जा सकता है

एक सरल से उदाहरण की सहायता से जीवन में दृष्टिकोण की महत्ता को समझा जा सकता है। पानी से आधे भरे हुए बर्तन को दो रूप में देखा जा सकता है- सकारात्मक नजरिए से आधा भरा एवं नकारात्मक नजरिए से आधा खाली। यही अंतर जीवन के हर क्षेत्र और हर पहलू में दिखता है। दृष्टिकोण ही व्यक्ति की सफलता और विफलता का प्रमुख निर्धारक होता है। जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति आशावादी और दृढ़ दृष्टिकोण रखता है, वह कठिनाइयों से लेशमात्र भी विचलित नहीं होता, बल्कि उन्हें सीखने तथा स्वयं को निखारने का अवसर मानकर आगे बढ़ता रहता है।

आज के समय में जीवन की गति अत्यंत द्रुत हो गई है और हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। ऐसे में दृष्टिकोण की महत्ता और भी अधिक बढ़ जाती है। आधुनिक जीवन में तनाव, असंतोष और अवसाद जैसी समस्याएं अनियंत्रित रूप से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं का प्रमुख कारण यह है कि हम जीवन की घटनाओं को देखने का संतुलित और सकारात्मक नजरिया अपने भीतर विकसित नहीं कर पा रहे हैं।

वास्तव में जीवन में आने वाली अधिकांश समस्याएं उतनी बड़ी और जटिल नहीं होतीं, जितना कि हम उन्हें अपने दृष्टिकोण के कारण बना लेते हैं। अगर हम उन्हें आत्मपरिष्कार और आत्मविकास के अवसर के रूप में स्वीकार करें, तो वही समस्याएं हमारे व्यक्तित्व को परिमार्जित करने का माध्यम बन सकती हैं। दृष्टिकोण का संबंध केवल आशावाद से ही नहीं है, बल्कि विवेक और संतुलन भी इसे निर्धारित करने में महती भूमिका निभाते हैं।

सकारात्मक दृष्टिकोण का अर्थ यह नहीं है कि हम वास्तविकता से आंखें मूंद लें। इसका अर्थ यह है कि हम परिस्थितियों को समझदारी, बुद्धिमत्ता और धैर्य की कसौटी पर कसने के बाद स्वीकार करें और उनमें सुधार या उनके प्रति प्रतिक्रिया की संभावनाएं तलाशें। आज यह नितांत आवश्यक हो चला है कि हम आलोचनात्मक और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करें, ताकि सत्य और भ्रम के बीच सुस्पष्ट अंतर कर सकें। बिना सोचे समझे किसी भी विचार को स्वीकार कर लेना हमारे दृष्टिकोण को संकीर्ण और असंतुलित बना सकता है।

अगर हमारा दृष्टिकोण उदार और सहानुभूतिपूर्ण है, तो हम दूसरों की भावनाओं और परिस्थितियों को समझने में सक्षम होते हैं। इसके विपरीत अगर हमारा दृष्टिकोण अहंकारपूर्ण और संकीर्ण है, तो वह हमारे संबंधों में दूरी और तनाव उत्पन्न कर सकता है। विविधताओं से भरे समाज में यदि लोग एक-दूसरे के प्रति सम्मान और समझ का दृष्टिकोण रखें, तो बड़े से बड़े मतभेद भी समुचित संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं, लेकिन अगर दृष्टिकोण कट्टरता और असहिष्णुता से भरा हो, तो वही मतभेद संघर्ष का रूप ले लेते हैं।

पीएम मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

(ललित गर्ग)

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है।

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाई, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साजा में प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के वरिष्ठ, युवा एवं महिला प्रकोष्ठ का गठन

सामाजिक एकता, शिक्षा, स्वरोजगार और महिला सशक्तिकरण पर वक्ताओं ने दिया जोर

बेमेतरा/साजा /मूक पत्रिका

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज जिला बेमेतरा के अंतर्गत ब्लॉक साजा में बीते रविवार 17 मई 2026 को मां कर्मा भवन (साहू भवन) साजा में ब्लॉक स्तरीय वरिष्ठ, युवा एवं महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया। कार्यक्रम प्रदेश सह सचिव दिनेश बंजारे, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सुशीला सोनवानी, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती अंजलि बरमाल, श्रीमती द्रोपती जोशी, प्रदेश कार्यकारी सदस्य भुवन जांगड़े के आतिथ्य तथा जिला अध्यक्ष राजा लाल बंजारे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं एवं युवाओं की उपस्थिति में सर्वसम्मति से विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का मनोनयन कर नई टीम का गठन किया गया। नव नियुक्त पदाधिकारियों को पुष्पमाला एवं गुलदस्ता भेंट कर पदभार ग्रहण कराया गया।

वरिष्ठ प्रकोष्ठ की नई कार्यकारिणी-वरिष्ठ प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में मनोहर दास भारती को जिम्मेदारी सौंपी गई। उपाध्यक्ष पद पर सुनील टंडन, प्रेम लाल बंजारे, दिलीप बंजारे एवं श्रीमती दिलेश्वरी सेवइयां को मनोनीत किया गया। सचिव पद पर कमलेश जांगड़े, कोषाध्यक्ष के रूप में छत्रपाल बघेल, प्रवक्ता के रूप में हेमंत टंडन तथा मीडिया प्रभारी के रूप में दिनेश मनहरे को जिम्मेदारी दी गई। सह सचिव पद पर सुरेश कोशले नियुक्त किए गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में महेंद्र केला, देशराज बंजारे, चिंता दास बंजारे, हृदय राम केतकर, शिवकुमार विश्व शिंदे एवं विष्णु केंद्र को शामिल किया गया।

युवा प्रकोष्ठ में युवाओं को मिली अहम जिम्मेदारी-युवा प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में हेमंत चतुर्वेदी को नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष पद पर जितेंद्र सतनामी, ईश्वर पात्रे एवं रितिकेश खांडे को जिम्मेदारी दी गई। सचिव पद पर ईश्वर भारती तथा सह सचिव के रूप में सत्यप्रकाश मारकंडे नियुक्त किए गए। प्रवक्ता के रूप में लिलेश्वर माण्डले एवं मीडिया प्रभारी के रूप में राहुल मारकंडे को दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दुलरवा दास, गोविंद कोठारी, आनंद सोनवानी, गुनीराम चंदेल, जितेन चंदेल एवं पंचराम पात्रे को शामिल किया गया।

महिला प्रकोष्ठ का भी हुआ गठन-महिला प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में श्रीमती प्रमिला सेवैये को जिम्मेदारी दी गई। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीमती शुगनी गायकवाड़ को मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में महिला शक्ति की सक्रिय भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

संगठन की मजबूती और सामाजिक उन्नति पर दिया गया जोर-प्रदेश सह सचिव दिनेश बंजारे ने अपने उद्बोधन में संगठन की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए समाज की अंतिम पंक्ति तक सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उन्नति पहुंचाने के लिए ईमानदारी से कार्य करने की अपील की। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, रहन-सहन, आर्थिक विकास तथा सतनामी समाज के संगठनात्मक एकीकरण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

उन्होंने समाज के रीति-रिवाजों एवं सामाजिक अनुशासन से जुड़े 15 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विस्तार से अपनी बात रखी और समाज को संगठित होकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। साथ ही समाज के विकास में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर नेतृत्व संभालने के लिए प्रेरित किया।

सामाजिक एकता और स्वरोजगार पर वक्ताओं का जोर-प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सुशीला सोनवानी, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अंजलि बरमाल, श्रीमती अनिता गुरुपंच, श्रीमती द्रोपती जोशी, गोटिया भुवन जांगड़े, हिरऊ जांगड़े एवं डॉ. विद्यासागर रात्रे सहित अन्य वक्ताओं ने सामाजिक एकता को समाज की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सभी को मिल-जुलकर कार्य करने का आह्वान किया।

वक्ताओं ने समाज को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने, युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने तथा आर्थिक रूप से मजबूत बनने पर बल दिया। महिलाओं को भी सामाजिक नेतृत्व में आगे आने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में भुवन दास जांगड़े ने अपने गीतों के माध्यम से समाज को एकता एवं संगठन के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

सभी सहयोगियों के प्रति जताया आभार-अंत में गोटिया भुवन जांगड़े ने भीषण गर्मी के बावजूद कार्यक्रम में शामिल हुए सभी समाजजनों, महिलाओं, कार्यकर्ताओं एवं प्रदेश पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में ब्लॉक प्रभारी (कमांडर) एवं जिला सचिव देवीचंद्र डेहरे, कार्यकारिणी सदस्य सत्यनारायण सेवइयां, कोषाध्यक्ष हिरेश टंडन, कार्यकारी सदस्य अमित टंडन, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अनंत, जिला अध्यक्ष राजा लाल बंजारे, जिला प्रवक्ता प्रेम दास दोहरे, राजकुमार सोनवानी, ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र घृतलहरे, ब्लॉक सचिव लक्ष्मण टंडन, महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती संतोषी टंडन, राम प्रसाद बघेल, ईश्वरी घृतलहरे, रामजी कोशले, संदीप खरे, मंजू आदिले, पूजा डेहरे, राखी डोरे, महिला ब्लॉक अध्यक्ष मिथिलेश घृतलहरे, मानसिंह बंजारे, जलेश्वर बंजारे एवं टोपलाल गेन्डे सहित अनेक समाजजनों का विशेष योगदान रहा।

कांग्रेस की प्रेसवार्ता; महंगाई, खाद संकट और डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों पर कांग्रेस का हमला, भाजपा सरकार को बताया विफल..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व संसदीय सचिव विनोद चंद्राकर ने बढ़ती महंगाई, डीजल-पेट्रोल संकट और खाद की कमी को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश की जनता पिछले कई महीनों से महंगाई की मार झेल रही है, लेकिन सरकार राहत देने के बजाय लोगों को सलाह देने में लगी हुई है। विनोद चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा किसानों से उर्वरकों का कम उपयोग करने की अपील करना किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से देश में खाद की कमी बनी हुई है, लेकिन सरकार पर्याप्त व्यवस्था नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में करीब 15 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की जरूरत है, जबकि अभी तक सोसायटियों तक केवल 51 हजार मीट्रिक टन खाद ही पहुंच पाई है। ऐसे में किसान परेशान हैं और खेती प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था, लेकिन आज किसान महंगे खाद, डीजल और खेती की बढ़ती लागत के कारण कर्ज में डूब रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश में डीजल-पेट्रोल और गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। गृहणियों को घर का बजट संभालना मुश्किल हो गया है और हर वर्ग परेशान है। प्रेस वार्ता में विनोद चंद्राकर ने प्रधानमंत्री के वर्क फ्रॉम होम वाले बयान पर भी तंज कसते हुए कहा कि गली-गली घूमकर सामान बेचने वाले, मजदूरी करने वाले और फेरी लगाने वाले लोग घर बैठकर कैसे काम करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने आराम हराम है का संदेश दिया था, जबकि आज लोगों को काम कम करने की सलाह दी जा रही है। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष ताराचंद देवांगन ने भी भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि महंगाई और नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस आने वाले दिनों में व्यापक विरोध प्रदर्शन करेगी और आम जनता के बीच जाकर मुद्दों को उठाएगी। प्रेस वार्ता में विधायक उत्तरी जांगड़े, नगरपालिका अध्यक्ष सोनी बंजारे, संजय दुबे, सूरज तिवारी, पुरुषोत्तम साहू, जिला पंचायत सदस्य बिनोद भारद्वाज, राधेश्याम जायसवाल, अरुण मालाकर, प्राण लहरे, नीतिश बंजारे, सरिता गोपाल, मंजूलता आनंद, राकेश पटेल, रामनाथ सिदार, शुभम बाजपेयी, शंकर जांगड़े, सभी ब्लॉक अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरिया-कंदुरपाली मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर, पिकअप से भिड़ी बाइक, युवक गंभीर घायल..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के सरिया-कंदुरपाली मार्ग पर शनिवार देर शाम को बड़ा सड़क हादसा हो गया। गायत्री राइस मिल के पास एक मोटरसाइकिल और पिकअप वाहन की जोरदार टक्कर में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल युवक सड़क पर लहूलुहान हालत में पड़ा था, जिसे देखकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे। मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल क्रमांक छ्त्त 13 ्रच 9933 और पिकअप वाहन क्रमांक ह्रष्ठ 17 ्रस्न 1170 के बीच आमने-सामने टक्कर हुई। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन उड़ीसा के विजयपुर क्षेत्र का है। हादसा इतना जोरदार था कि बाइक सवार युवक सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके शरीर के कई हिस्सों में चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही थाना सरिया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल स्थिति को संभालते हुए 108 एंबुलेंस सेवा को बुलाया। गंभीर हालत में घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला भेजा गया। डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। घायल की पहचान और उसकी स्थिति को लेकर पुलिस जानकारी जुटा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के दौरान सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही भी देखने को मिली। शुरुआती जानकारी में मोटरसाइकिल चालक की गलती सामने आने की बात कही जा रही है, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दुर्घटना के बाद कुछ देर तक सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इलाके के लोगों ने इस मार्ग पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंता जताई है और सड़क पर यातायात नियमों का पालन कराने की मांग की है।

नक्सल मुक्त माहौल में पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली में लौटी रौनक, आदिवासी अर्थव्यवस्था को मिला नया सहारा

चार दशक बाद फिर गुलजार हुए वनांचल के हाट-बाजार

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के सुदूर वनांचलों में अब बदलाव की नई तस्वीर दिखाई देने लगी है। कभी माओवादी हिंसा और भय के कारण वीरान पड़े इलाके अब सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं। उसूर ब्लॉक के आवापल्ली क्षेत्र अंतर्गत पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली की साप्ताहिक बाजारें करीब चार दशक बाद फिर से सजने लगी हैं। वर्षों तक बंद रहे इन हाट-बाजारों में अब ग्रामीणों की भीड़, छोटे व्यापारियों की दुकानें और आदिवासी संस्कृति की पारंपरिक झलक फिर दिखाई देने लगी है। एक समय ऐसा था जब इन क्षेत्रों में सुरक्षा का माहौल पूरी तरह प्रभावित हो चुका था। ग्रामीणों की आवाजाही सीमित हो गई थी और साप्ताहिक बाजार पूरी तरह ठप पड़ गए थे। इसका असर स्थानीय व्यापार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। अब नक्सल मुक्त वातावरण बनने के बाद हालात बदल रहे हैं। पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के बाजारों में दूर-दराज के गांवों से ग्रामीण पहुंच रहे हैं और छोटे व्यापारी फिर से अपनी दुकानें सजा रहे हैं। बस्तर अंचल में साप्ताहिक हाट-बाजार केवल व्यापार का केंद्र नहीं होते, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अहम हिस्सा भी माने जाते हैं। आदिवासी समुदाय यहां इमली, महुआ, टोरा, चिरौंजी और तेंदूपत्ता जैसी वनोपज लेकर पहुंचता है और बदले में जरूरत का सामान खरीदता है। बाजारों के दोबारा शुरू होने से ग्रामीणों को अब अपने उत्पाद बेचने के लिए दूरस्थ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। महिलाएं बड़ी संख्या में वनोपज लेकर बाजार पहुंच रही हैं, वहीं व्यापारी दैनिक उपयोग की सामग्री बेच रहे हैं। लंबे समय बाद बाजारों में स्थानीय बोली, पारंपरिक वेशभूषा और आदिवासी संस्कृति की जीवंत तस्वीर फिर दिखाई देने लगी है। बाजारों के पुनर्जीवित होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है। छोटे व्यापारियों, किसानों और वनोपज संग्राहकों को सीधा लाभ मिल रहा है। परिवहन और छोटे व्यवसायों में भी गतिविधियां बढ़ने लगी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाजारों के फिर शुरू होने से गांवों में पहले जैसी चहल-पहल लौट आई है। बीजापुर में लौटती यह बाजार संस्कृति अब बदलते हालात की नई पहचान बन रही है। शांति और सुरक्षा के माहौल में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से हो रहा है। पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली की बाजारें अब विकास, विश्वास और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखती नजर आ रही हैं।

- पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली की बाजारें करीब 40 साल बाद फिर शुरू
- नक्सल मुक्त माहौल बनने के बाद बढ़ी ग्रामीणों की आवाजाही
- वनोपज बेचने आदिवासी बड़ी संख्या में पहुंच रहे बाजार
- छोटे व्यापारियों और किसानों को मिल रहा सीधा लाभ
- स्थानीय अर्थव्यवस्था और छोटे कारोबारों को मिली नई गति
- बाजारों में फिर दिखाई देने लगी आदिवासी संस्कृति की झलक

जामगांव में आधी रात आग का तांडव, लाखों का डिजिटल सामान राख

जामगांव में आगजनी से हड़कंप, CCTV और पेट्रोलिंग की उठी मांग

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / नरहरपुर विकासखंड के ग्राम जामगांव में शनिवार देर रात एक भीषण आगजनी की घटना से हड़कंप मच गया। बाजारपारा स्थित स्क्र डिजिटल वीडियोग्राफी एवं जीएसटी सेंटर में रात करीब 2 बजे अचानक आग लग गई, जिससे दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। दुकान ग्राम निवासी सतीश राठौर की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी भयावह थी कि सुबह तक लपटें उठती रहीं। देखते ही देखते दुकान में रखा सारा इलेक्ट्रॉनिक सामान जल गया। पीड़ित दुकानदार सतीश राठौर ने बताया कि यह उनकी वर्षों की मेहनत की कमाई थी, जो कुछ ही घंटों में राख बन गई।

आगजनी में दुकान में रखे लैपटॉप, कंप्यूटर, वीडियोग्राफी कैमरे, इन्वर्टर, स्टेबलाइजर, पंखे, कूलर, मोबाइल फोन सहित करीब 11 से 15 लाख रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान नष्ट हो गया। वहीं ऑनलाइन सेंटर होने के कारण दुकान में रखे कई जरूरी दस्तावेज और स्कूली बच्चों की मार्कशीट भी जलकर नष्ट हो गई। इसके अलावा दुकान के दराज में रखी लगभग 80 हजार से 1 लाख रुपये तक की नगदी भी आग की भेंट चढ़ गई। ग्रामीणों का कहना है कि जामगांव में आगजनी की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी गांव में दिलीप रजक के घर और दुकान में आग लगने की घटना हो चुकी है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों ने दोनों घटनाओं के तरीके को संदिग्ध बताते हुए प्रशासन से गंभीर जांच की मांग की है।

घटना की सूचना मिलते ही ग्राम सरपंच भगवती उइके मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। वहीं नरहरपुर पुलिस भी तत्काल घटनास्थल पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मौका मुआयना कर पंचनामा कार्रवाई की तथा पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। इधर तहसील प्रशासन ने भी पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए, ताकि वह दोबारा अपना रोजगार शुरू कर सके। साथ ही गांव में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए जामगांव चौक पर ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे लगाने और रात में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग भी उठाई गई है।

जिले में लगातार अवैध खनन जारी.. खनिज विभाग द्वारा खनन माफियाओं को करोड़ों की अवैध रॉयल्टियां जारी???

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में खनन माफियाओं के धनबल और राजनीतिक शक्तियों की बढ़ती हुई शाख पर नतमस्तक विभागीय अधिकारी??

खनन माफियाओं के खदानों में अवैध ब्लास्टिंग से लगातर प्रभावित हो रहे आबादी क्षेत्र

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के प्रसिद्ध गौण खनिज क्षेत्र ग्राम पंचायत गुड़ेली-टिमरलगा के अवैध खदानों मे बिना कोई वैध अनुमति के बारूद खेल सालों से लगातार चलता आ रहा है। जिसका विभागीय क्षेत्र से बारूद द्वारा अवैध खदान पर ब्लास्टिंग करने का अनुमति नहीं दी जाती है। और यहां संगीन अपराध की श्रेणी में भी आता है, लेकिन ग्राम पंचायत टिमरलगा में उमेश के खदान से सिर्फ खनन नहीं , बल्कि पूरे धरती के छाती चीर कर लाखों टन अवैध रूप से पत्थर रोजाना निकालकर क्रेशर में बेचा जा रहा है और अवैध खनन से शासन को राजस्व का लाखों-करोड़ों चूना लगाया जा रहा है।

उच्च अधिकारियों के संज्ञान में होते हुए भी अवैध खनन जोरों से जारी...जिस पर कोई कार्यवाही भी नहीं??

आपको बता दें कि 16 फरवरी 2026 को एसडीएम वर्षा बंसल के संज्ञान में खनिज विभाग की टीम द्वारा इस अवैध खनन के खेल को तत्तीश से जांच कर लगभग 10 पोकलेन और अन्य माल वाहक हाईवा/ट्रैकों को ऑन द स्पॉट जब्त किया गया था। लेकिन माफिआओं के हौंसले इतने बुलंद हैं कि कार्यवाही होने के पश्चात ही उक्त अवैध खनन हो रहे? भूमि जिस पर तत्कालीन एसडीएम वर्षा बंसल के द्वारा प्रशासनिक रूप से सीलबंदी हो चुका था, उसे अगले ही दिन से खनन माफिआओं द्वारा पुनः अवैध रूप से खनन संचालन किया जा रहा था और आज पर्यंत तक लगातार अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है, जो कि खनिज विभाग और जिलाधिकारी के संज्ञान में होते हुए भी आज तक किसी को भी प्रकार से रोक नहीं लगाई जा रही है। अब यह कहना लाजमी होगा कि या तो दाल में कुछ काला है, या तो पूरी दाल ही काली नजर आ रही है।

आपको बता दें कि अवैध पत्थर खदान में बीते कुछ दिनों से नियमों को ताक पर रखकर हेवी ब्लास्टिंग किया जा रहा है। यह कार्य नेशनल हाईवे 200 मार्ग पर से लगभग 150 मीटर की दूरी पर ही खुदाई हो रही है। इस खुदाई और अवैध खनन से आबादी क्षेत्र लगातार इससे प्रभावित हो रहे हैं। इंसान तो दूर, बेजुबान जीव-जंतुओं पर भी कहर बरस रहा है। ब्लास्टिंग से निकलने वाली जहरीली हवा और होने वाले शोर से पर्यावरण को क्षति पहुंच रही है तथा इससे जल संकट और जमीन के गहराइयों से निकलने वाली पेयजल भी प्रभावित हो रही है जिसे पानी में फैलने वाले जहरीले तत्वों से जान का खतरा और पर्यावरण पॉल्यूशन लगातार बढ़ रहा है।

अगर इसी तरह से अवैध माइनिंग लगातार इस क्षेत्र में चलता रहा तो भविष्य में आने वाले संकट से बचने के लिए लोगों का इन जगहों से पलायन करना मजबूरी हो जाएगा।

लेकिन यह समस्त बातें जिलाधिकारी के संज्ञान में होते हुए भी अपने कार्यो के प्रति विमुखता और निरंकुश्ता, आम जनजीवन को काफी महंगी पड़ रही है।

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और संचालन को बिना किसी परेशानी के व्यवस्थित ढंग से बनाए रखने के लिए बहुत सारे जिलाधिकारी सारंगढ़ में आए और चले गए किंतु आम जन-जीवन को प्रभावित करने वाले तत्वों और नैतिक मूल्यों को ना तो समझा गया और ना ही? ध्यान दिया जा रहा है। जिले की कमान संभालने के बाद बहुत से विभागीय अधिकारियों ने अवैध कार्य संचालनकर्ताओं को अपने अनैतिक लाभ के लिए लगातार छूट और बढ़ावा दिया गया। यही कारण है कि जिले में अवैध कार्य तेजी से होने लगे हैं, जिससे अवैध माईनिंग और क्रेशरों को संचालन करने वाले लोग बिना रॉयल्टी के ही सब कुछ करते रहते हैं।

जिले में माफिआओं का बढ़ता हुआ धनबल और राजनीतिक शक्तियों से संपन्न होने के कारण अवैध कार्य करने वाले लोग खुलेआम जिले में कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। विभागों द्वारा इन्हें बिना जांच किए ही रॉयल्टियां दे दी जाती है और निर्धारित खनन स्पॉट पर क्या हो रहा है और क्या नहीं! इसकी चेकिंग भी नहीं की जाती है। इसके ऐवज में माफिआओं द्वारा अन्य जगहों का भी खनन कर खनिज संपदा का खुलेआम दोहन किया जाता है और अनैतिक लाभ लिया जाता है जिससे शासन को करोड़ों की राजस्व की चपत लगती है।

अब देखना यह है कि इस मामले को बार-बार विभागीय अधिकारियों और जिला के कर्ताधर्ताओं के संज्ञान में जाने के बाद भी कब तक खनन जारी रहता है? और इसपर कोई कार्यवाही होती है या नहीं!! यह भी देखने वाली बात है।

पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस नवागढ़ का जोरदार विरोध

पेट्रोल पंप पहुंचकर आमजनों से संवाद, भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

जांजगीर-चांपा। पेट्रोल–डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों और उससे आमजन को हो रही परेशानियों के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नवागढ़ ने पेट्रोल पंप पहुंचकर जनसंवाद एवं विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईंधन भरवाने पहुंचे नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और तख्तियां लेकर मौजूदा भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गौरव सिंह ने कहा कि महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है, लेकिन सरकार जनता की समस्याओं से मुंह मोड़कर केवल प्रचार में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर परिवहन, खाद्य सामग्री और रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ रहा है, जिससे आम नागरिक त्रस्त हैं।

गौरव सिंह ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आमजन के हक और उनकी आवाज़ के साथ खड़ी रही है और आगे भी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी।कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि पेट्रोल–डीजल की कीमतों में राहत नहीं दी गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज शुक्ला, राजेश सिंह बबलू, मंडल अध्यक्ष मनोहर प्रधान, रामफल कश्यप, रवि कश्यप, पदमिनी कुंभज, आकाश सिंह, सत्येंद्र सूर्या, शुभंकर सिंह, प्रशांत सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सी–मार्ट और गारमेंट फैक्ट्री विवाद पहुंचा कलेक्टर कार्यालय, एफपीओ ने लगाए गंभीर आरोप

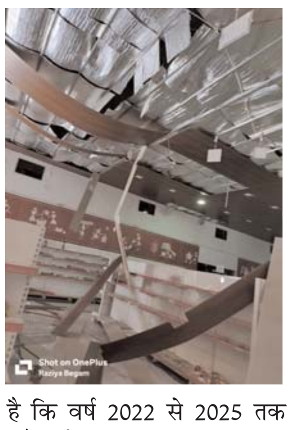

मूक पत्रिका/बीजापुर। इन्द्रावती फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी प्रा.लि. (एफपीओ) और जिला प्रशासन के बीच सी–मार्ट व गारमेंट फैक्ट्री संचालन को लेकर विवाद अब कलेक्टर कार्यालय पहुंच गया है। संस्था ने ज्ञापन सौंपते हुए किसानों के अधिकार छीनने, आर्थिक अनियमितता और कथित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। एफपीओ ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

एफपीओ का कहना है कि वर्ष 2022 से संस्था किसानों और स्थानीय उत्पादकों के हित में काम कर रही थी तथा वर्ष 2023 से सी–मार्ट और गारमेंट फैक्ट्री का संचालन भी संस्था के माध्यम से किया जा रहा था। संस्था के अनुसार तीन पक्षों के बीच हुए एमओयू में लाभ–हानि साझा करने का प्रावधान था, लेकिन एफपीओ को उसका उचित लाभ नहीं मिला।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2022 से 2025 तक ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करवाकर राशि निकाली गई। विरोध करने पर संस्था को बैंक सिग्नेटरी से हटा दिया गया। एफपीओ ने सवाल उठाया है कि जब एमओयू, दस्तावेज, बिजली कनेक्शन और संचालन संबंधी आधार संस्था के नाम पर हैं, तो फिर गौरव पांडेय को किस आधार पर सिग्नेटरी बनाया गया। संस्था ने यह भी पूछा है कि क्या तीसरे पक्ष के अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को सौंपे जा रहे हैं।

एफपीओ ने कौशल विकास विभाग पर बिना अनुमति दूसरा जीएसटी तैयार कराने का आरोप भी लगाया है। संस्था का दावा है कि योजनाबद्ध तरीके से किसानों के संगठन को हटाकर किसी अन्य पक्ष को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

संस्था ने सी–मार्ट भवन की जर्जर स्थिति का भी उल्लेख किया है। एफपीओ के मुताबिक भवन की छत से लगातार पीओपी गिरता रहा, जिसकी मरम्मत संस्था अपने खर्च पर कराती रही। लगातार खर्च और संसाधनों की कमी के चलते संस्था आर्थिक रूप से कमजोर होती गई, जिससे कर्मचारियों के मानदेय और संचालन पर असर पड़ा।

एफपीओ ने बताया कि बैंक ऋण लेने के लिए लीज एग्रीमेंट आवश्यक था। इसके लिए जिला पंचायत और प्रशासन को कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन केवल आश्वासन मिलता रहा। बाद में प्रशासन द्वारा सी–मार्ट संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी मिलने पर किसानों में नाराजगी बढ़ गई।

संस्था के अनुसार फरवरी 2026 में जिला पंचायत अधिकारियों ने बंद पड़े सी–मार्ट का निरीक्षण कर डेमो उत्पादों को एक्सपायरी बताते हुए नोटिस जारी किया और बिना संतोषजनक जवाब का अवसर दिए परिसर खाली कराने की कार्रवाई शुरू कर दी। इसके खिलाफ एफपीओ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जहां से संस्था को स्थगन आदेश मिला है।

एफपीओ ने यह भी दावा किया कि जिस भूमि पर गारमेंट फैक्ट्री संचालित हो रही है, उसकी ग्राम पंचायत अनापत्ति, दस्तावेज और बिजली बिल इन्द्रावती एफपीओ के नाम पर हैं, इसके बावजूद संचालन से उन्हें अलग कर दिया गया।

अंत में संस्था ने कलेक्टर से पूरे मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों पर कार्रवाई करने, सी–मार्ट भवन की मरम्मत कराने तथा किसानों और स्थानीय उत्पादकों के हित में एफपीओ को पुनः संचालन का अवसर देने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका में कुदरत का कहर: भारी बारिश और तूफान ने ली 2 जान, 4000 से ज्यादा लोग प्रभावित

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में पिछले पांच दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और खराब

मौसम ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। देश के आपदा प्रबंधन केंद्र ने इसकी पुष्टि की है कि इस प्राकृतिक आपदा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 4000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। ये मौतें पूर्वी जिले बट्टिकलोआ और उत्तरी जिले जाफना में दर्ज की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि मौत के ये मामले पूर्वी जिले बट्टिकलोआ और उत्तरी जिले जाफना से सामने आए हैं। केंद्र द्वारा जारी नवीनतम स्थिति रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह 6 बजे तक देश के 25 में से आठ जिले पिछले पांच दिन से हो रही वर्षा से प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्राकृतिक आपदा से 4,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं जिनमें से 29 परिवारों के 100 से अधिक लोगों को दो अस्थायी राहत केंद्रों में रखा गया है। इसके अलावा लगभग 88 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मौसम विभाग ने आगे भी भारी वर्षा का अनुमान जताया है, जिसमें कई प्रांतों में 150 मिमी तक वर्षा होने की संभावना है। सुबह जारी पूर्वानुमान में कहा गया, श्रीलंका के उत्तर-पूर्व में स्थित कम दबाव का क्षेत्र अब भी बना हुआ है। इस प्रणाली के अगले 36 घंटों के दौरान श्रीलंका से दूर जाने की संभावना है। राष्ट्रीय भवन अनुसंधान संगठन (एनबीआरओ) ने भी कई जिलों के लिए भूस्खलन की चेतावनी जारी की है।

पाकिस्तान ने किया लंबी दूरी की फतेह-4 क्रूज मिसाइल का परीक्षण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने स्वदेशी रूप से विकसित और सतह से प्रक्षेपित की जाने वाली फतह-4 क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया, जो लंबी दूरी के लक्ष्यों को उच्च सटीकता के साथ भेदने में सक्षम है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक

रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मिसाइल का परीक्षण रॉकेट फोर्स कमान द्वारा किया गया। सेना ने बताया, उन्नत विमानन तकनीकों और अत्याधुनिक नेविगेशन उपकरणों से लैस यह मिसाइल प्रणाली उच्च सटीकता के साथ लंबी दूरी के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। बयान के मुताबिक सैन्य परिचालन क्षमता बढ़ाने, बेहतर सटीकता और मजबूती से जवाब देने के लिए मिसाइल की विभिन्न उप-प्रणालियों के तकनीकी मापदंडों को परखने के लिए इस मिसाइल का परीक्षण किया गया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और अन्य सैन्य अधिकारियों ने मिसाइल के सफल प्रशिक्षण परीक्षण की सराहना की। पिछले महीने, सेना की रॉकेट फोर्स कमान ने देश में विकसित फतह-2 मिसाइल प्रणाली का प्रशिक्षण किया था। पाकिस्तानी सेना ने सितंबर 2025 में भी 750 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली क्रूज मिसाइल फतह-4 का प्रशिक्षण किया था।

1500 ड्रोन और 100 से ज्यादा दागीं मिसाइलें...
रूस का यूक्रेन पर सबसे बड़ा हवाई हमला

मास्को/कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर चार वर्ष से चल रहे युद्ध का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई प्रमुख शहरों पर बुधवार-गुरुवार को 1,560 से ज्यादा ड्रोन और करीब 100 मिसाइलें दागीं। इन हमलों में कीव में पांच लोग और अन्य स्थानों पर छह लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं।

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमलान्न हमलों से नागरिक सुविधाओं को भी भारी नुकसान हुआ है। यूक्रेन ने अमेरिका और चीन से रूसी हमलों को रुकवाने का अनुरोध किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन और मिसाइलें आकाश में ही नष्ट कर दिए गए लेकिन बाकी ने यूक्रेनी शहरों को भारी नुकसान पहुंचाया। नष्ट किए गए ड्रोन और मिसाइलों के टुकड़ों से भी भवनों और नागरिक सुविधाओं को नुकसान हुआ है। जेलेंस्की ने कहा, इस

हमले से जल्द युद्ध खत्म होने की संभावना पर विश्वास नहीं होता है। विदित हो कि हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध जल्द खत्म होने की संभावना जताई थी।

कई शहरों पर ड्रोन-मिसाइलें दागीं जेलेंस्की ने यूक्रेन की सुरक्षा के लिए सहयोगी देशों से ज्यादा सहायता और एयर डिफेंस सिस्टम की मांग की है। जेलेंस्की ने बताया है कि कीव के 20 स्थानों पर रूस के हमले हुए हैं। इन हमलों में पांच लोग मारे गए और दो बच्चों समेत 40 घायल हुए हैं।

ड्रोन हमले में एक नौ मंजिला भवन ध्वस्त हो गया है। राहतकर्मी कंक्रीट की परतें हटाकर उनके नीचे दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। इसलिए हमले में मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको ने 10 लोगों के लापता होने की जानकारी दी है।

हमलों में 11 से अधिक लोग मारे गए: जेलेंस्की ने बताया है कि ताजा रूसी हमलों में यूक्रेन में 180 ठिकानों को नुकसान हुआ है। इनमें 50 से ज्यादा आवासीय भवन हैं। हमलों से कीव की पानी-बिजली की आपूर्ति बाधित हुई है। यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खार्कीव में हमले से तीन बच्चों समेत 28 लोग घायल हुए हैं। ऊर्जा संयंत्रों पर हुए हमलों से देश के 11 प्रांतों की बिजली आपूर्ति में बाधा आई है। रूस ने ओडेसा बंदरगाह और रेल नेटवर्क को भी निशाना बनाया है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने अमेरिका और चीन के नेताओं से रूस पर युद्ध खत्म करने के लिए दबाव बनाने का अनुरोध किया है।

भारत ने रूसी तेल के लिए अमेरिका से मांगी और छूट

वाशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट (पश्चिम एशिया) में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में पिछले 75 दिनों से जारी रुकावट के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक बड़ा कूटनीतिक मोर्चा खोल दिया है। वैश्विक स्तर पर तेल की आपूर्ति में आ रही बाधाओं को देखते हुए भारत ने अमेरिका से रूसी तेल आयात पर मिली छूट को आगे बढ़ाने की अपील की है। गौरतलब है कि इस समय भारत के लिए तेल और गैस की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है।

16 मई को खत्म हो रही है राहत की घड़ी

अमेरिका द्वारा रूसी तेल की खरीद पर दी गई मौजूदा छूट 16 मई की आधी रात को समाप्त हो रही है। भारत चाहता है कि तेल बाजारों में स्थिरता बनाए रखने के लिए इस समय सीमा को बढ़ाया जाए। हालांकि वाशिंगटन लगातार भारत

पर इस बात का दबाव बना रहा है कि वह यूक्रेन युद्ध के चलते रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदना कम करे, लेकिन मौजूदा संकट को देखते हुए भारत के लिए रूसी तेल किसी लाइफलाइन से कम नहीं है। भारत ने बनाया नया रिकॉर्ड- हर दिन आ रहा 23 लाख बैरल तेल डेडलाइन करीब आते देख भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद में रिकॉर्ड तोड़ तेजी दिखाई है। आंकड़ों के मुताबिक, मई महीने में अब तक रूस से कच्चे तेल का आयात 2.3 मिलियन (23 लाख) बैरल प्रतिदिन के ऐतिहासिक स्तर पर पहुँच गया है। हालांकि, सावधानी बरतते हुए भारत ने रूस के उस ऑफर को ठुकरा दिया है जिसमें उन एलएनजी खेपों की सप्लाई की बात थी जो अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आती हैं। घबराने की जरूरत नहीं, देश के पास है पर्याप्त स्टॉकः हरदीप पुरी केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि वैश्विक तनाव के बावजूद भारत में ईंधन और रसोई गैस की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने जानकारी दी कि भारत के पास वर्तमान में 69 दिनों का कच्चे तेल और एलएनजी का पर्याप्त भंडार है। 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक सुरक्षित है। मंत्री पुरी ने बताया कि सरकार ने मिडिल ईस्ट के हालातों को देखते हुए एलपीजी के घरेलू उत्पादन को जबरदस्त तरीके से बढ़ाया है। पहले जहाँ प्रतिदिन 35,000 से 36,000 टन उत्पादन होता था, उसे अब बढ़ाकर 54,000 टन कर दिया गया है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आए।

बोला- समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

भारतीय जहाज पर हमले की यूएई ने की निंदा

अबू धाबी , एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को अबू धाबी दौरे से ठीक पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई ने इसे आतंकी हमला और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया साथ ही भारत के साथ पूरी एकजुटता की बात कही है।

'भारतीय जहाज पर हुआ हमला खतरनाक उकसावा'

यूएई के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय जहाज पर हुआ हमला 'खतरनाक उकसावा' है, जिसका उद्देश्य अहम समुद्री रास्तों की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इससे वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

भारत के हर कदम का समर्थन - संयुक्त अरब अमीरात

यूएई ने भारत को भरोसा दिलाया कि वह भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेगा। बयान में कहा गया कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का उल्लंघन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही गई है। यूएई ने बिना किसी देश या संगठन का नाम लिए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री रास्तों का इस्तेमाल 'आर्थिक दबाव' या 'ब्लैकमेल' के लिए करना समुद्री डकैती जैसा है और इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता, लोगों की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरा पैदा होता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी की

घटना की निंदा वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और व्यापारिक जहाजों तथा आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और ओमान प्रशासन ने उन्हें बचाने में मदद की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर हमले और समुद्री व्यापार में बाधा डालने वाली घटनाओं से बचना चाहिए।

पीएम मोदी की यात्रा के दौरान उठ सकता है मुद्दा

भारत सरकार ने अभी तक जहाज का नाम या हमले में किसी नुकसान की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन सरकारी सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी की अबू धाबी यात्रा के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठ सकता है। भारत और यूएई के बीच खाड़ी क्षेत्र और अरब सागर में समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होने की संभावना है।

होर्मुज पर अमेरिका के साथ चीन, परमाणु हथियार को लेकर भी सख्त

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मुलाकात में ताइवान, हॉर्मुज स्ट्रेट, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साल 2017 के बाद चीन में दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की बैठक थी। बैठक ऐसे समय में हुई जब विश्व युद्ध की आशंकाओं, ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहा है। जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत करते हुए ताइवान मुद्दे पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने इसे चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जिनपिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के बीच टकराव और युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से बच सकते हैं? और इसके बजाय बड़े देशों के बीच सहयोग का नया मॉडल बनाने का सुझाव दिया। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि विश्व के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हॉर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला और सुरक्षित

रहना चाहिए। जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन इस मार्ग पर किसी भी प्रकार की सैन्य तैनाती या टोल वसूली का विरोध करता है। दोनों पक्ष इस बात पर भी एकमत हुए कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाए। वहीं, ट्रंप ने बैठक को 'बेहद सकारात्मक और सफल' बताया। उन्होंने जिनपिंग को अपना दोस्त और महान नेता करार दिया। वाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने रिश्तों को और मजबूत बनाने, व्यापार सहयोग बढ़ाने, अमेरिकी कंपनियों के लिए चीनी बाजार खोलने और चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर जोर दिया। जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि 2026 दोनों देशों के संबंधों में नया अध्याय साबित हो। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाए और रिश्तों को कभी बिगड़ने नहीं दिया जाए। बता दें कि इस बैठक में एलन मस्क, टिम कुक समेत अमेरिका के कई प्रमुख उद्योगपतियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक के बाद आयोजित राजकीय भोज में ट्रंप ने जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन को सितंबर में वाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया।

डीजल और ईंधन की कमी से 22 घंटे बिजली की कटौती की जा रही है

ईंधन संकट से अंधेरे में डूबा क्यूबा, सड़कों पर उतरे सैकड़ों प्रदर्शनकारी; कचरा जलाकर किया विरोध

हवाना, एजेंसी। क्यूबा देश पर इन दिनों ऊर्जा संकट के बादल मंडरा रहे है। वहां के ऊर्जा मंत्री विसेंटे डे ला ओ लेवी ने इस बात की पुष्टि की है कि देश में ईंधन पूरी तरह खत्म हो चुका है।

हालात इतने खराब है कि देश में डीजल और ईंधन की कमी के कारण 22 घंटे तक बिजली की कटौती की जा रही है। यह स्थिति अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण बनी है। वहां के लोगों को फिलहाल ब्लैकआउट का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, इस हालात में देश की राजधानी हवाना शहर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भड़क उठे हैं। कई प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं और बिगड़ते ऊर्जा संकट से हताश होकर बत्तियां जलाओ के नारे लगा रहें हैं। इस दौरान लोगों ने बर्तन पीटने सहित कूड़े के ढेर में आग लगा दिया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा मंत्री ने बताया, कच्चा तेल और ईंधन तेल दोनों में से हमारे पास बिल्कुल कुछ भी नहीं बचा है; इस वक्त हमारे पास एकमात्र चीज है। वह है कुओं से निकलने वाली गैस, जिसका उत्पादन बढ़ा दिया गया है। लेवी ने देश की

स्थिति को बेहद तनावपूर्ण बताया। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा और खान मंत्री ने बताया कि देश ने भले ही पिछले दो सालों में 1,300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने का काम किया है, फिर भी ईंधन की लगातार कमी के कारण बिजली ग्रिड अस्थिर हो रहा है और उसकी कार्यक्षमता घट रही है। इसमें एक बड़ी समस्या बड़े बैटरी भंडारण प्रणालियों की कमी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हवाना पर दबाव और बढ़ा दिया है। उन्होंने वेनेजुएला से होने वाली तेल की खेपों को रोकने और वैश्विक शुल्क लगाने की धमकी देने के बाद, यह कसम खाई है कि क्यूबा को अब और तेल या पैसा नहीं मिलेगा। इस द्वीप के भविष्य को लेकर चल रही वार्ताओं के बीच, ट्रंप ने कहा, उन्हें क्यूबा को अपने अधिकार में लेने की उम्मीद है। यह बयान उन्होंने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने के प्रयास के बाद दिया था।

कोलकाता ने गुजरात को 29 रन से हराया

सुदर्शन-गिल और बटलर की मेहनत पर फिरा पानी

ईडन गार्डन्स । आईपीएल में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुजरात टाइटंस को 29 रन से हरा दिया। कोलकाता ने ईडन गार्डन्स में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 2 विकेट पर 247 रन बनाए। जवाब में गुजरात 4 विकेट खोकर 218 रन ही बना सकी।

एलन ने 35 गेंदों में 93 रन बनाए

कोलकाता के लिए फिन एलन ने 35 गेंदों में 93 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 10 छक्के शामिल रहे। वहीं अंगकृष रघुवंशी ने नाबाद 82 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 44 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौके और 7 छक्के लगाए। अंतिम ओवरों में कैमरन ग्रीन ने भी 28 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाए। उनकी पारी में 3 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। कप्तान अजिंक्य रहाणे 14 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और साई किशोर को 1-1 विकेट मिला। हालांकि, टीम के ज्यादातर गेंदबाज महंगे साबित हुए। राशिद खान ने 4 ओवर में 57 रन खर्च किए, जबकि अरशद खान के एकमात्र ओवर में 22 रन आए। केकेआर ने गुजरात को 29 रनों से हरा दिया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में केकेआर द्वारा दिए गए 248 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात चार विकेट पर 218 रन ही बना सकी।

केकेआर ने गुजरात को हराया

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने गुजरात टाइटंस को 29 रनों से हरा दिया। शनिवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने फिन एलन, अंगकृष रघुवंसी और कैमरन ग्रीन की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में दो विकेट पर 247 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम चार विकेट पर 218 रन ही बना सकी। इस दौरान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन ने अर्धशतक जड़े। वहीं, केकेआर के लिए सुनील नरेन ने दो विकेट लिए जबकि सौरभ और ग्रीन को एक-एक मिला।

गुजरात को तीसरा झटका

गुजरात को तीसरा झटका सौरभ दुबे ने दिया। उन्होंने बटलर को अपना शिकार बनाया। वह 57 रन

बनाकर आउट हुए। अब राहुल तेवतिया बल्लेबाजी के लिए आए हैं।

: गुजरात को दूसरा झटका

गुजरात को दूसरा झटका सुनील नरेन ने दिया। उन्होंने अनुकूल रॉय के हाथों शुभमन गिल को कैच कराया। वह 49 गेंदों में 85 रन बनाकर आउट हुए। अब जोस बटलर का साथ देने साई सुदर्शन आए हैं।

बटलर का अर्धशतक

बटलर ने 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। वह गिल के साथ 71 गेंदों में 128 रनों की साझेदारी निभा चुके हैं।

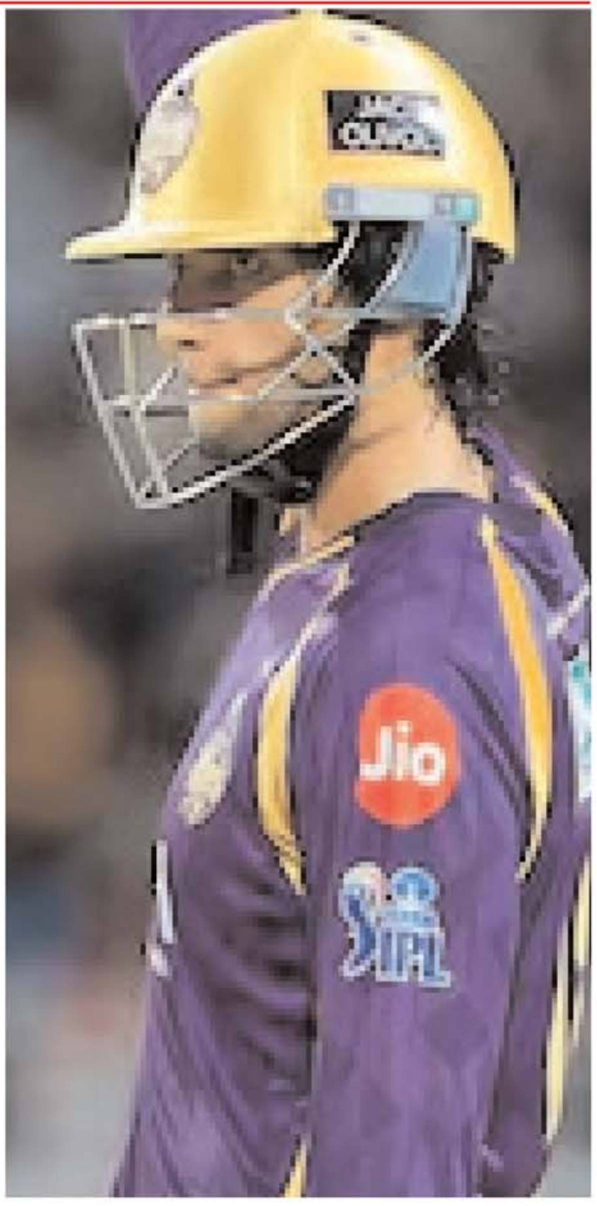

हसन अली के सिर में चोट, स्ट्रेचर पर बाहर गए

बांग्लादेश के खिलाफ हुई घटना, ठीक होने पर दोबारा गेंदबाजी की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली को बांग्लादेश के खिलाफ आज से शुरू हुए दूसरे टेस्ट के दौरान सिर पर चोट गई। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर से मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। हालांकि, पाकिस्तान टीम के लिए राहत की बात यह रही कि वे कुछ समय बाद ही मैदान पर लौट आए और दोबारा गेंदबाजी शुरू कर दी।

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट आज से सिलहट में खेला जा रहा है। बांग्लादेश की पहली पारी 278 रन पर ऑलआउट हो गई है। टीम के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज लिटन दास ने शतक लगाया। उन्होंने 159 गेंदों पर 126 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

मैदान पर ऐसे हुआ हादसा

शनिवार को बांग्लादेश के पहली पारी के 8वें ओवर के दौरान जब हसन अली अपनी ही गेंद पर तंजीद हसन तमीम का कैच लपकने के लिए दाईं ओर डाइव लगाए। इस दौरान वे मैदान पर काफी अजीब तरीके से गिरे, जिससे उनके सिर के दाहिने हिस्से पर गंभीर चोट लगी और वे असहज नजर आए। चोट लगने के बाद हसन अली को काफी चक्कर आने जैसी महसूस हुआ, जिसके तुरंत बाद मेडिकल टीम मैदान पर आई। स्थिति को देखते हुए उन्हें स्ट्रेचर की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया और उनके ओवर की बची हुई गेंदें सलमान आगा ने डालीं।

पाकिस्तान टीम की चिंताएं हुईं दूर पाकिस्तान क्रिकेट टीम और फैंस के लिए यह चिंता ज्यादा लंबी नहीं रही। हसन अली ठीक होकर मैच के 16वें ओवर की शुरुआत में ही वापस मैदान पर लौट आए। इसके बाद उन्होंने मैच के 19वें ओवर में अपनी गेंदबाजी भी दोबारा शुरू कर दी।

लिटन दास ने 126 रन बनाए

लिटन के अलावा बांग्लादेश के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही।

लवलीना बोरगोहेन ने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई किया

एशियन गेम्स का भी टिकट कटाया, दोनों टूर्नामेंट के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान

नईदिल्ली। ओलिंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने शुक्रवार को पटियाला में हुए नेशनल ट्रायल्स में जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही उन्होंने एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का टिकट हासिल किया।

टोक्यो 2020 ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन लवलीना ने महिला 75 किग्रा मुक्केबाजी के फाइनल में सनमाचा चानू को 5-0 से मात दी। कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से 2 अगस्त और एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खेला जाएगा।

लवलीना पिछले महीने मौका चूक गई थीं

विमेंस के 75 किलोग्राम वेट कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में लवलीना ने एकतरफा प्रदर्शन किया। उन्होंने सनामाचा चानू को 5-0 से शिकस्त देकर टीम में अपनी जगह सुरक्षित की। लवलीना पिछले महीने उलानबटोर में हुए एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थीं, जिसके कारण वे सीधे

क्वालिफाई करने का पहला मौका चूक गई थीं। इसके बाद उन्हें इस नेशनल ट्रायल्स के जरिए टीम में वापसी करनी पड़ी।

तीन वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीत चुकी हैं मेडल

लवलिना 2018, 2019 और 2023 में हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में एक गोल्ड और दो ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी। इसके अलावा वे 2022 में एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं।

पाकिस्तान की फातिमा की महिला टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी

15 गेंदों में जड़ा अर्धशतक; भारत की ऋचा घोष समेत 3 बैटर्स का रिकॉर्ड तोड़ा

कराची। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने महिला टी-20 इंटरनेशनल मैच में सबसे तेज फिफ्टी का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कराची में शुक्रवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा।

34 साल की फातिमा ने सोफी डिवाइन, फीबी लिचफील्ड और भारत की ऋचा घोष का रिकॉर्ड तोड़ा। इन तीनों ने 18-18 गेंदों में फिफ्टी बनाई थी। इससे पहले पाकिस्तान के लिए यह रिकॉर्ड निदा डार के नाम था। उन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 20 गेंदों में फिफ्टी बनाई थी।

विमेंस टी-20 क्रिकेट इतिहास की संयुक्त सबसे तेज फिफ्टी

फातिमा सना की यह पारी इंटरनेशनल के साथ ओवरऑल विमेंस टी-20 क्रिकेट में भी सबसे तेज फिफ्टी है। मैरी केली ने 2022 में वॉर्विकशायर और लॉरा हैरिस ने 2025 में ओटागो के लिए घरेलू क्रिकेट में 15 गेंदों में अर्धशतक बनाए थे। 19वें ओवर में 24 रन, 19 गेंदों में नाबाद 62 रन तीसरे टी-20 में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की थी। फातिमा सना 17वें ओवर में बल्लेबाजी करने उतरीं। तब टीम का स्कोर 152 रन पर 4 विकेट था। उन्होंने पहली गेंद पर चौका लगाया। इसके बाद कुदजई चिगोरा की गेंदों पर लगातार चार चौके जड़े। फातिमा ने 19वें ओवर में नोमवेलो सिबांडा के खिलाफ सबसे आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने ओवर में 4, 4, 6, 6 और 4 रन के साथ 24 रन बनाए। आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर 2 रन लेकर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने पारी का अंत दो चौकों के साथ किया और 19 गेंदों में 62 रन बनाकर नाबाद रहीं। इस दौरान 10 चौके और 2 छक्के लगाए।

ऋषभ पंत पर लगा 12 लाख का जुर्माना

स्लो ओवर रेट के कारण आईपीएल की कार्रवाई

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के कारण की गई। मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली टीम की इस सीजन में यह पहली गलती थी, इसलिए आईपीएलनियमों के तहत उन पर केवल आर्थिक जुर्माना लगाया गया।

ओवर-रेट से जुड़े आर्टिकल 2.22 के अनुसार किसी टीम को तय समय में अपने 20 ओवर डालने होते हैं। ऐसा नहीं होने पर आईपीएल गवर्निंग काउंसिल दोषी पाए जाने पर कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है।

आगे ऐसी गलती दोहराई तो पंत और टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं आईपीएलनियमों के मुताबिक, अगर लखनऊ की टीम इस सीजन में दोबारा स्लो ओवर रेट की गलती करती है, तो कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना बढ़कर 24 लाख रुपए हो जाएगा। प्लेइंग इलेवन के बाकी खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का 25% या 6 लाख रुपए (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया जाएगा।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू का बढ़ा फैसला : रूस और बेलारूस के पहलवानों की वापसी

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संगठन (यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने बड़ा फैसला लेते हुए रूस और बेलारूस के पहलवानों पर लगी सभी प्रमुख पाबंदियां हटाने का ऐलान कर दिया है। अब दोनों देशों के खिलाड़ी तुरंत प्रभाव से सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने राष्ट्रीय झंडे और पहचान के साथ हिस्सा ले सकेंगे। संगठन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीनियर स्तर समेत हर श्रेणी की प्रतियोगिता में रूसी और बेलारूसी पहलवान अपने-अपने देश के झंडे के नीचे मुकाबला करेंगे। इसके साथ ही खिलाड़ियों और टीम स्टाफ को अपनी यूनिफॉर्म पर अपने देशों का संक्षिप्त नाम इस्तेमाल करने की भी अनुमति दे दी गई है। यदि कोई खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतता है या टीम चैंपियनशिप अपने नाम करती है, तो पदक समारोह के दौरान संबंधित देश का राष्ट्रगान भी बजाया जाएगा। यूडब्ल्यूडब्ल्यू का यह फैसला पिछले कुछ वर्षों में अपनाई गई सख्त नीति से बिल्कुल अलग माना जा रहा है। वर्ष 2022 में यूक्रेन संघर्ष के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सिफारिशों के आधार पर रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी गई थीं। उस समय दोनों देशों के पहलवानों और अधिकारियों को यूडब्ल्यूडब्ल्यू के कैलेंडर इवेंट्स में भाग लेने से रोक दिया गया था।

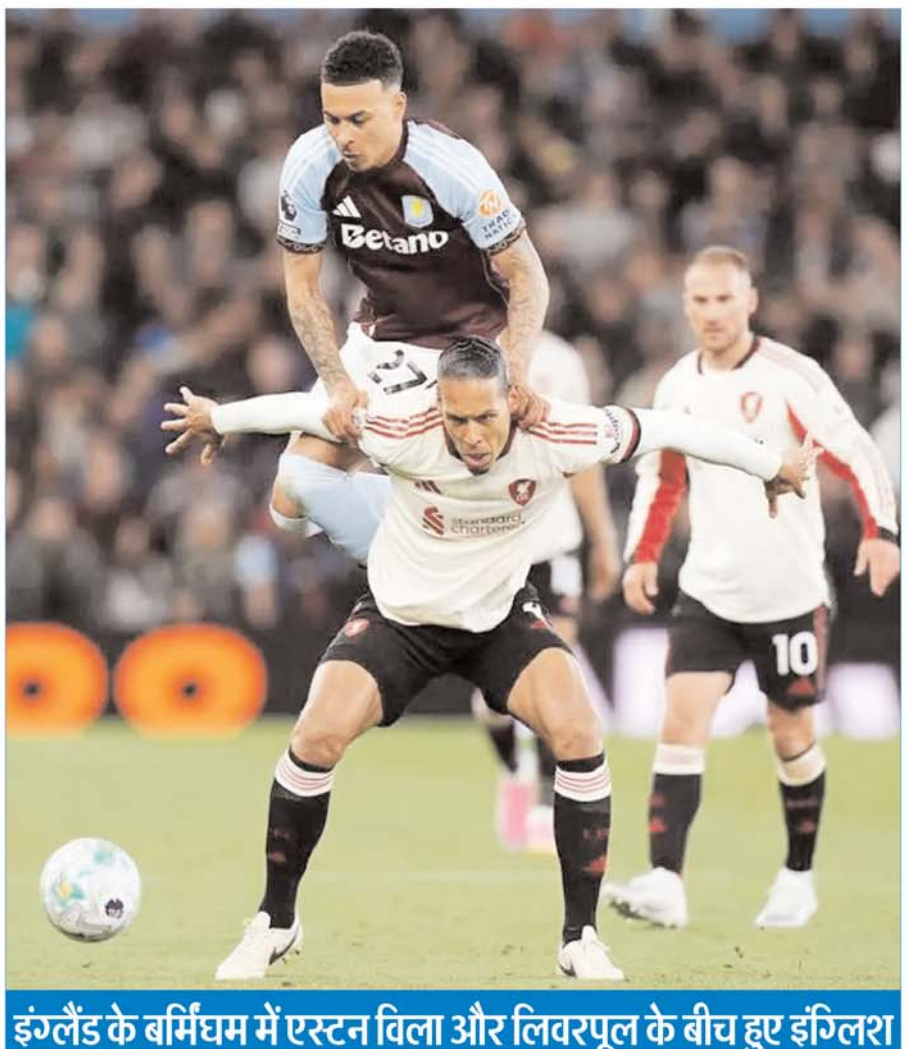

इंग्लैंड के बर्मिंघम में एस्टन विला और लिवरपूल के बीच हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग सॉकर मैच के दौरान, लिवरपूल के वर्जिल वैन डाइक (आगे) एस्टन विला के मॉर्गन रोजर्स को गेंद से रोकने की कोशिश करते हुए।

मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में हराया, टूर्नामेंट में तीसरी बार खिताबी मुकाबला खेलेंगे

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के फाइनल में

बैंकॉक। बैंकॉक में खेले जा रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी फाइनल में पहुंच गए हैं। दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह स्जे फी और नूर इज्जुद्दीन को 19-21, 22-20, 21-16 से हराया। यह मुकाबला 82 मिनट तक चला।

फाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना कल इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्थिन से दोपहर 12:30 बजे से होगा।

इस सीजन का पहला फाइनल

सात्विक और चिराग ने दबाव में शानदार खेल दिखाया। भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम बेहद करीबी मुकाबले में बचाया और फिर निर्णायक गेम में बढ़त बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। यह इस सीजन में उनकी पहली फाइनल एंट्री है। इससे पहले वे थाईलैंड का 2019 और 2024 टूर्नामेंट का खिताब जीत चुके हैं।

पहला गेम मलेशियाई जोड़ी के नाम रहा मुकाबले की शुरुआत में मलेशियाई जोड़ी ने फ्रंट कोर्ट पर दबदबा बनाया और 3-1 की बढ़त ले ली। हालांकि सात्विक और चिराग ने तेजी से वापसी करते हुए स्कोर 5-5 कर दिया। पहले गेम में दोनों टीमों के बीच तेज रैलियां और लगातार आक्रामक स्मैश देखने को मिले।

ब्रेक तक मलेशियाई जोड़ी 11-8 से आगे थी। चिराग और इज्जुद्दीन ने कई तेज स्मैश लगाए, जबकि गोह ने नेट के पास शानदार ड्रॉप शॉट खेले। चिराग की कुछ गलतियों की वजह से भारतीय जोड़ी 9-15 से पीछे हो गई।

भारतीय खिलाड़ियों ने स्कोर 12-16 तक पहुंचाया, लेकिन इज्जुद्दीन के मजबूत स्मैश और डिफेंस की मदद से मलेशियाई जोड़ी ने 18-12 की बढ़त बना ली। इसके बाद गोह की दो गलतियों और एक लंबी शॉट से भारतीय टीम ने अंतर कम किया, लेकिन अंत में सात्विक नेट पर शॉट मार बैठे और पहला गेम गंवा दिया।

सात्विक-चिराग ने वापसी की

दूसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही। स्कोर 3-3 से 6-6 तक बराबरी पर चलता रहा। सात्विक और चिराग ने स्मैश की रफ्तार बदलकर विरोधियों से गलतियां कराईं और 9-6 की बढ़त ली। ब्रेक तक भारतीय जोड़ी 11-9 से आगे थी। बाद में गोह ने नेट पर शानदार खेल दिखाते हुए स्कोर 13-13 कर दिया। चिराग के दमदार स्मैश से भारत ने 16-14 की बढ़त बनाई, लेकिन फिर मुकाबला 16-16 पर पहुंच गया। 20-20 पर मैच की सबसे लंबी और तेज रैली देखने को मिली। दोनों जोड़ियों ने लगातार डिफेंस किया। आखिर में इज्जुद्दीन का शॉट बाहर चला गया और भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम जीतकर मुकाबला बराबर कर लिया।

मैच के तीनों गेम के रिजल्ट

गेम	सात्विक-चिराग	लियो-डेनियल
पहला गेम	19	21
दूसरा गेम	22	20
तीसरा गेम	21	16

तीसरा गेम 11-5 से जीता

निर्णायक गेम में सात्विक ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया। स्कोर 5-5 के बाद भारतीय जोड़ी ने लगातार 6 अंक जीतकर 11-5 की बड़ी बढ़त बना ली। सात्विक के स्मैश और बैककोर्ट शॉट्स ने मलेशियाई खिलाड़ियों पर दबाव बढ़ा दिया।

मलेशियाई जोड़ी ने वापसी की कोशिश करते हुए स्कोर 13-17 तक पहुंचाया, लेकिन लगातार गलतियों की वजह से वे मैच में वापसी नहीं कर सके। आखिर में सात्विक के क्रॉस-कोर्ट स्मैश से भारत को पांच मैच पॉइंट मिले। एक नेट कॉर्ड के बाद चिराग ने आखिरी शॉट लगाकर टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

जल जीवन मिशन के नाम पर ग्राम पंचायत को थमाया गया 3.40 लाख का झटका

बिना पानी-बिना सप्लाई, फिर भी थमाया साढ़े 3 लाख का बिल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

चांपा से लगे ग्राम लखनपुर में विद्युत वितरण कंपनी की लापरवाही और मनमानी ने ग्राम पंचायत को भारी संकट में डाल दिया है। जल जीवन मिशन योजना के तहत लगाए गए मोटरपंप का मीटर बंद होने के बावजूद ग्राम पंचायत को 3 लाख 40 हजार 240 रुपये का बिजली बिल थमा दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि योजना के तहत अब तक ग्रामीणों को एक बूंद भी पानी नसीब नहीं हुआ, फिर भी हजारों यूनिट बिजली खपत दिखा दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जल जीवन मिशन के तहत मोटर संचालन के लिए ग्राम पंचायत लखनपुर के नाम से विद्युत मीटर लगाया गया था। बताया जा रहा है कि मोटर कभी चली ही नहीं, इसके बावजूद बिल में 2500 यूनिट बिजली खपत दर्शाई गई है। इससे पंचायत पदाधिकारियों और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि नल-जल योजना

के तहत आज तक गांव में पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब मोटर बंद रही, तो बिजली खर्च कैसे हो गई? पंचायत पदाधिकारी इस मामले को लेकर असमंजस में हैं और बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। मामले को लेकर पंचायत पदाधिकारियों का आरोप है कि बिजली विभाग द्वारा बिल जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। विभागीय अमला यह कहकर भुगतान के लिए बाध्य कर रहा है कि बिल सिस्टम से जनरेट हुआ है और इसे हर हाल में जमा करना होगा। इस दबाव के चलते सरपंच और पंचायत प्रतिनिधियों के हाथ-पांव फूल गए हैं। बिल विवरण के अनुसार, मीटर पूरी तरह बंद होने के बावजूद पूर्व बकाया राशि 3 लाख 31 हजार रुपये जोड़ दी गई है। चालू माह की खपत सहित कुल 3,40,240 रुपये का बिल ग्राम पंचायत को सौंपा गया है। पंचायत पदाधिकारियों ने इस पूरे मामले की जांच कर बिल में सुधार की मांग की है। ग्राम पंचायत और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और बिना पानी आपूर्ति के भेजे गए बिजली बिल को निरस्त किया जाए। साथ ही दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में पंचायतों के साथ ऐसी मनमानी न हो।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बेरला ब्लॉक में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

बेमेतरा/बेरला/मूक पत्रिका

जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय विशेष अभियान की कड़ी में रविवार को विकासखंड बेरला के ग्राम भिलौरी, टकसीवा एवं तारालीम में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए।

शिविर का आयोजन कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर, जिला क्षय अधिकारी डॉ. बी.एल. राज तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.के. कुंजाम के मार्गदर्शन में किया गया। अभियान के तहत हाईरिस्क ग्राम भिलौरी में हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से संवेदनशील एवं उच्च जोखिम वाले लोगों की स्क्रीनिंग की गई। शिविर में 53 पुरुष एवं 61 महिलाओं सहित कुल 114 लोगों का एक्स-रे परीक्षण किया गया, जिसमें 5 संदिग्ध मरीजों की पहचान हुई। संभावित टीबी मरीजों के सैंपल द्धज्ञ जांच के लिए संग्रहित करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पूर्व जनपद पंचायत सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री रेख राम साहू ने ग्राम भिलौरी के एक टीबी मरीज को फूड बास्केट प्रदान कर गोद लिया। स्वास्थ्य विभाग बेरला की ओर से उनके इस सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया। शिविर में राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक दिनेश गंगबेर ने मितानिनों, ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को टीबी के लक्षण, बचाव एवं उपचार की जानकारी दी। साथ ही सभी उपस्थित लोगों को जिला बेमेतरा को टीबी मुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने वर्ष 2027 तक देश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

शिविर में जिला टीम से यशवंत भारद्वाज, एक्स-रे टेक्निशियन शेषनारायण टंडन, आयुष्मान आरोग्य मंदिर भिलौरी की सीएचओ मनीषा पाल, आरएचओ श्रीमती अनीता सोनी, एमटी श्रीमती रुखमनी साहू सहित समस्त मितानिनों की सक्रिय सहभागिता रही। सभी के सहयोग से शिविर का सफल आयोजन संपन्न ।

सैगोना में युवराज साहू का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया, सामाजिक पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम सैगोना में सेवा सहकारी समिति सैगोना के अध्यक्ष एवं परिक्षेत्र साहू संघ कारेसरा के अध्यक्ष युवराज साहू के निज निवास पहुंचकर सामाजिक पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने गुलदस्ता भेंट कर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। युवराज साहू ने बताया कि उनके जन्मदिन के अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, साजा विधायक ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, गोवेन्द्र गुड्डा पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष थानखम्हरिया तोरण पुन्नी यादव तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष थानखम्हरिया केशव पटेल सहित कई गणमान्य लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से शुभकामना संदेश प्रेषित किए।

इस दौरान दुखित राम साहू, चुम्मन साहू, रामचरण साहू, नारद राम साहू, रेखराम साहू, रमेश कुमार साहू, संतोष साहू, महेश साहू, नीतेश साहू, राजकुमार साहू, जयंत साहू सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने युवराज साहू को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके सामाजिक एवं जनसेवा कार्यों की सराहना की।

आत्मनिर्भरता, आजीविका गतिविधियों और ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास की खुलकर प्रशंसा

राज्यपाल रमेन डेका ने विहान महिला समूहों की सराहना की

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका बीते रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर जिला बेमेतरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ÷विहान÷ के अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों से सौजन्य भेंट कर उनके द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली।

राज्यपाल ने महिलाओं के आत्मविश्वास, परिश्रम और आत्मनिर्भरता की सराहना करते हुए उन्हें ग्रामीण विकास एवं सामाजिक परिवर्तन की सशक्त प्रेरणा बताया।

इस दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई एवं एसएसपी रामकृष्ण साहू सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे । भेंट कार्यक्रम के दौरान महिला समूहों की दीदियों ने राज्यपाल को अपने द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न स्थानीय उत्पादों, जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प एवं लघु उद्योग गतिविधियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। महिलाओं ने बताया कि ÷विहान÷ योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन आया है तथा वे अब आत्मनिर्भर होकर परिवार की आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिला समूहों की सफलता की कहानियों को सुनकर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ आज स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त होना केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि ÷विहान÷ जैसी योजनाएँ ग्रामीण महिलाओं को नए अवसर प्रदान कर रही हैं और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं। राज्यपाल ने महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता की भी सराहना की तथा उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए बेहतर मार्केट लिंकिंग एवं प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि स्थानीय उत्पादों को उचित मंच और बाजार मिले तो ग्रामीण महिलाओं की आय में और अधिक वृद्धि हो सकती है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने महिला समूहों की सदस्यों के उत्साह, समर्पण एवं कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने महिलाओं को निरंतर आगे बढ़ते रहने और अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।

हाइवा की ठोकर से युवक की मौत

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

रविवार की दोपहर 2 बजे नेशनल हाईवे-49 स्थित ग्राम कनाई चौक (पिसौद) में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। मृतक की पहचान ग्राम कनाई निवासी जयराम कश्यप के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जयराम कश्यप पिसौद की ओर जा रहा था तभी कनाई चौक के पास तेज रफ्तार हाइवा वाहन क्रमांक छ्त्त 12 ब्क्क 6591 ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल जांजगीर भेजा गया। वहीं घटना के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया है। वाहन और उसके चालक के संबंध में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ह्ला-49 पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। कनाई चौक पहले से ही दुर्घटना संभावित क्षेत्र बना हुआ है, जहां आए दिन हादसे होते रहते हैं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भय और नाराजगी दोनों देखने को मिल रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से कनाई चौक पर स्पीड ब्रेकर लगाने, ट्रैफिक संकेतक स्थापित करने और नियमित पुलिस निगरानी की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके।

फूलगट्टा में स्वास्थ्य शिविर, 82 ग्रामीणों की हुई एनसीडी जांच

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के आश्रित गांव फूलगट्टा में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची और ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत आयोजित इस शिविर में लोगों की जांच की गई, वहीं कई ग्रामीणों के नए आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए।

शिविर में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने गांव के लोगों की सामान्य जांच की। इस दौरान ब्लड प्रेशर और अन्य गैर संचारी बीमारियों (एनसीडी) की स्क्रीनिंग भी की गई। जांच में चिन्हित मरीजों का पंजीयन कर उन्हें जरूरी सलाह दी गई। स्वास्थ्य टीम ने गांव की नई गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका पंजीयन किया और एएनसी कार्ड वितरित किए।

महिलाओं को खानपान, नियमित जांच और मातृ स्वास्थ्य को लेकर जानकारी भी दी गई। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता, संतुलित आहार और समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में 82 लोगों की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। वहीं 3 मरीजों का हाईपरटेंशन

फॉलोअप किया गया। सर्दी-खांसी के 4, बुखार के 2 और स्केबीज से पीड़ित 8 मरीजों का उपचार किया गया। इसके अलावा 5 नए आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। ग्रामीणों ने गांव में स्वास्थ्य शिविर लगने पर खुशी जताई और कहा कि इससे दूरस्थ इलाके के लोगों को काफी राहत मिल रही है। उन्होंने ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित करने की मांग भी की।

जनचौपाल में सत्ता की तानाशाही, विपक्ष की आवाज दबाई गई

जनचौपाल में विपक्षी विधायक को रोकने पर सियासी घमासान, लोकतंत्र पर उठे गंभीर सवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

पामगढ़ विधानसभा के ग्राम कोसला में आयोजित जनचौपाल कार्यक्रम को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कार्यक्रम में जनता द्वारा निर्वाचित विपक्षी विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश को केवल राजनीतिक विचारधारा के आधार पर बैठने और सहभागिता से रोके जाने का मामला सामने आया है, जिसे विपक्ष ने लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला अपमान बताया है।

विपक्षी दलों का आरोप है कि जनचौपाल जैसे जनहितकारी मंच पर भी सत्ता पक्ष ने संकीर्ण राजनीति करते हुए विपक्ष की आवाज दबाने का

प्रयास किया। विधायक को रोकने और कथित तौर पर अपमानित करने की कोशिश को लोकतंत्र के खिलाफ बताया जा रहा है। नेताओं का कहना है कि यह आचरण न केवल जनप्रतिनिधि का बल्कि उस जनता का भी अपमान है जिसने उन्हें चुनकर विधानसभा भेजा है। कांग्रेस नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह जनचौपाल नहीं बल्कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के संरक्षण में अधिकारियों द्वारा आयोजित ÷राजनीतिक इवेंट÷ बनकर रह गया है, जहां केवल सत्ता पक्ष के लोगों को ही मंच और अधिकार दिया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर विपक्षी प्रतिनिधियों को हाशिये पर धकेलने की साजिश की जा रही है। कांग्रेस ने साफकहा है कि लोकतंत्र में सम्मान सबका अधिकार है। किसी भी जनप्रतिनिधि का अपमान, जनता और लोकतंत्र का अपमान होता है। विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिशें प्रदेश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। विपक्ष की आवाज दबाना लोकतंत्र को कमजोर करना है। यह जनचौपाल नहीं, सत्ता का पॉलिटिकल इवेंट है। इस घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और जनचौपाल की निष्पक्षता व उद्देश्य पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।